

हल्दीघाटी युद्ध महाराणा प्रताप जीते, लेकिन चर्चा उल्टी : मोहन भागवत



उदयपुर।

उदयपुर में राष्ट्र चेतना संकल्प सभा में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि हल्दीघाटी के युद्ध को लेकर इतिहासकारों ने केवल नैरेटिव बनाया। युद्ध में केवल जीत महाराणा प्रताप की हुई थी। मुगलों के ही इतिहासकार लिखते हैं कि मुगलों को पीछे खिसकना पड़ा। फिर विजय किसकी हुई? हल्दीघाटी में विजय का ही परिणाम है कि आज महाराणा प्रताप की जयंती मनाई जा रही है, अकबर की जयंती कोई नहीं मनाता है।

दरअसल, महाराणा प्रताप की 486वीं जयंती और हल्दीघाटी विजय के 450 साल पूरे होने पर उदयपुर में तीन दिवसीय कार्यक्रम किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज उदयपुर के गांधी ग्राउंड में सभा का आयोजन किया गया। इसमें आरएसएस प्रमुख के अलावा सीएम भजनलाल शर्मा व अन्य भाजपा नेता भी पहुंचे थे।

कोंकारोच की बात पर मुस्कुराने लगे भागवत

संस्कृत सभा निम्बार्क पीठ के पीठाधीश्वर श्याम शरण देवाचार्य भी शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि आज कई लोग हमारी एहता को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं। हमारे लिए राष्ट्र ही प्रथम होना चाहिए। उन्होंने कहा कि निर्मल कीचड़ से कमल का जन्म होता है। जबकि, मलयुक्त कीचड़ से केवल कोंकारोच का जन्म होता है। हमें ध्यान रखना होगा कि हमें केवल निर्मल कमल की ओर ही बढ़ना होगा। पीठाधीश्वर के कोंकारोच की बात करने पर मोहन भागवत भी मुस्कुराने लगे। मोहन भागवत महाराणा प्रताप की जयंती कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मंगलवार को ही उदयपुर पहुंच गए थे। बुधवार सुबह 10 बजे वे सभा में पहुंचे। मोहन भागवत महाराणा प्रताप की जयंती कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मंगलवार को ही उदयपुर पहुंच गए थे। बुधवार सुबह 10 बजे वे सभा में पहुंचे।

गुजरात में सड़क हादसे में 6 की मौत, 31 घायल

मरने वालों में 9 साल का बच्चा भी, बांसवाड़ा से सूरत जा रही बस खड़े ट्रक से टकराई

बड़ोदरा।

गुजरात के वडोदरा में कोटांबी स्टेडियम के पास बुधवार सुबह एक स्लीपर बस और ट्रक की टक्कर में 6 लोगों की मौत हो गई। 31 लोग घायल हैं। मृतकों में एक 9 साल का बच्चा भी शामिल है। शुरुआती जानकारी के अनुसार,



बालाजी ट्रेवलस की लगजरी बस राजस्थान के बांसवाड़ा से सूरत जा रही थी। वडोदरा में बस सड़क किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कई यात्री बस में फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और वडोदरा फायर विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

सभी घायलों को एसएसजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के कारण इलाके में लंबा जाम लग गया था।

गुजरात में सूरत जिले के बारडोली के पास दो जून को भी दो बसें टकरा गई थीं। हादसे में 7 यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 10 से ज्यादा घायल हो गए। टक्कर के बाद एक बस के पलटते ही उसमें आग लग गई थी। दोनों बसें महाराष्ट्र की हैं।

हादसा सड़क पर पलटते एक ट्रैक्टर को बचाने की कोशिश के दौरान हुआ। ट्रैक्टर की टक्कर से बचाने की कोशिश में एक बस ड्राइवर का स्टीयरिंग पर कंट्रोल नहीं रहा और बस डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में जाकर सामने से आ रही दूसरी बस से टकरा गई।

कोबरी-सार



मोदी ने ट्रम्प से कहा- भारतीय नाविकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण ट्रम्प बोले-जब तक मैं राष्ट्रपति, व्हाइट हाउस में भारत का दोस्त मौजूद रहेगा



नई दिल्ली/एवियन (फ्रांस)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बुधवार को कहा- जब तक मैं प्रेसिडेंट हूँ, व्हाइट हाउस में मोदी का हमेशा अच्छा दोस्त मौजूद रहेगा।

उन्होंने मोदी की तारीफ करते हुए कहा- जब तक मोदी लीडर हैं, इंडिया हर फील्ड में बड़ा रोल निभाएगा। मोदी शांत और जबरदस्त नेता हैं, लेकिन मैं मोदी की तरह नहीं हूँ।

वहीं ट्रम्प से द्विपक्षीय वार्ता में मोदी ने कहा कि

समुद्र में भारतीयों की सुरक्षा जरूरी है। उम्मीद है कि ईरान के साथ डील में भारतीयों की सुरक्षा पक्की की जाएगी। पीएम ने कहा कि होर्मुज खुला रहना जरूरी है। मैं वेस्ट एशिया में शांति की कोशिशों में ट्रम्प की लीडरशिप की तारीफ करता हूँ। ट्रम्प के नेतृत्व में शांति की उम्मीद दिख रही है।

मोदी और ट्रम्प फ्रांस में आयोजित जी7 समिट में शामिल हुए। आज समिट का दूसरा दिन था। दोनों के बीच 5 मिनट तक चर्चा हुई। उन्होंने 13 मिनट तक मीडिया के सवालों का जवाब दिया।

राजस्थान में मौसम बदलेगा करवट

फिर बरसेंगे बादल! जयपुर-सीकर समेत 15 जिलों में बारिश का अलर्ट

जयपुर

17 जून 2026 को राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के असर से कई जिलों में गरज-चमक, आंधी और हल्की से मध्यम बारिश हुई। झुंझुनूं में सबसे ज्यादा 66 मिमी बारिश दर्ज हुई। 18 जून को भी आंधी-बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है।

राजस्थान में 17 जून 2026 को शाम के बाद मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं का दौर देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार दिन ढलने के बाद बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, जोधपुर और कोटा संभाग के कई हिस्सों में मौसम अस्थिर बना रहा और कई जगहों पर बादलों की तेज आवाजाही के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

वहीं चूरू, झुंझुनू, सीकर, जयपुर, दोसा, धौलपुर, सर्वाई माधोपुर, करौली, टोंक, बूंदी, कोटा, बारां, झालावाड़, भीलवाड़ा और चित्तौड़गढ़ जिलों में कहीं-कहीं गरज-चमक के साथ अचानक तेज हवाएं चलने की स्थिति बनी रही। इन इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटा की

रफ्तार से धूलभरी आंधी और हल्की बारिश ने लोगों को गर्मी से कुछ राहत जख्म दी। पिछले 24 घंटों के मौसम की बात करें तो राज्य के पूर्वी हिस्सों में कई जगहों पर मेघगर्जन और वज्रपात के साथ बारिश दर्ज की गई। वहीं पश्चिमी राजस्थान में भी आंधी और तेज हवाओं के साथ बारिश की गतिविधियां देखने को मिलीं। सबसे ज्यादा बारिश झुंझुनूं के मलसीसर में 66.0 मिलीमीटर दर्ज की गई, जो इस सीजन की अच्छी बारिश मानी जा रही है।

तापमान की स्थिति भी अलग-अलग रही। राज्य में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस फलोदी में दर्ज किया

गया। वहीं जालौर में न्यूनतम तापमान 28.9 डिग्री और सिरोही में 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम में उतार-चढ़ाव के चलते दिन में गर्मी और शाम के समय भारी मौसम देखने को मिला। मौसम विभाग ने जानकारी दी है कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से अगले कुछ दिनों तक राजस्थान के कई हिस्सों में मौसम इसी तरह बना रह सकता है। बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, अजमेर, कोटा और जोधपुर संभाग में अगले दो से तीन दिन तक आंधी और बारिश की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। इन इलाकों में कहीं-कहीं तेज मेघगर्जन के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की

रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश भी देखने को मिलेगी, जिससे गर्मी से राहत बनी रहेगी, लेकिन आंधी के कारण सतर्क रहने की भी जरूरत है।

अब अगर 18 जून 2026 की बात करें तो मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने की संभावना है। इसके असर से राजस्थान के कई जिलों में फिर से बादल छाए रह सकते हैं और गरज-चमक के साथ बारिश और तेज हवाओं का दौर देखने को मिल सकता है। कुल मिलाकर आने वाले दिन राज्य में मौसम की ओर ज्यादा बदलने वाले साबित हो सकते हैं।



पाकिस्तान के लिए जासूसी का आरोपी पांच दिन की रिमांड पर चाय की दुकान की आड़ में गूगल मैप से भेजता था सेना की गतिविधियां

निस

जयपुर (नवयल)। सीआईडी इंटेलिजेंस राजस्थान की ओर से पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार मुस्ताक अली को बुधवार सुबह जयपुर की



अवकाशकालीन अदालत में पेश किया गया। जहां विशिष्ट न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम संख्या-10 जयपुर महानगर प्रथम की अवकाशकालीन अदालत ने आरोपित मुस्ताक अली को पांच दिन की रिमांड पर भेज दिया। सीआईडी इंटेलिजेंस ने सात दिन की रिमांड की मांग की थी। अब आरोपित मुस्ताक अली को 22 जून को पुनः न्यायालय में पेश किया जाएगा। पेशी से पूर्व आरोपित का जयपुरिया अस्पताल में मेडिकल

परीक्षण कराया गया। इसके बाद सीआईडी इंटेलिजेंस की टीम उसे कोर्ट लेकर पहुंची। अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस इंटेलिजेंस प्रफुल्ल कुमार के अनुसार जांच में सामने आया है कि मुस्ताक पिछले दो वर्षों से पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों के हैंडलर्स के संपर्क में था। उसे जैसलमेर जिले के नाचना क्षेत्र में सेना और सीमा सुरक्षा बल की गतिविधियों पर नजर रखने का जिम्मा सौंपा गया था। इसी उद्देश्य से पाकिस्तानी हैंडलर्स ने उसे मुख्य सड़क पर चाय की दुकान खुलवाने की सलाह दी थी। सीआईडी इंटेलिजेंस ने को जैसलमेर जिले के नाचना थाना क्षेत्र के खारिया गांव से उसे हिरासत में लिया था। सीआईडी इंटेलिजेंस के विशेष लोक अभियोजक सुदेश सत्वान ने बताया कि आरोपित के मोबाइल फोन से दो संदिग्ध नंबर मिले हैं, जो खालिद और नजीर अहमद के नाम से सेव थे। दोनों पाकिस्तान में रहकर एजेंट कोऑर्डिनेटर और ट्रेनर के रूप में कार्य करते हैं। नजीर अहमद आरोपित का रिश्तेदार भी बताया जा रहा है। जांच में सामने आया

कि मुस्ताक गूगल मैप कैमरा एप्लीकेशन की सहायता से सेना और बीएसएफ से संबंधित स्थानों के फोटो और वीडियो भेजता था। इन फोटो और वीडियो के साथ अक्षांश और देशांतर की सटीक जानकारी भी साझा होती थी।

जिससे संवेदनशील स्थानों की पहचान करना आसान हो जाता था। पाकिस्तानी हैंडलर्स ने मुस्ताक को नाचना से बाँहर की ओर जाने वाली मुख्य सड़क पर चाय की दुकान संचालित करने के लिए कहा था। वह दुकान की आड़ में सेना और बीएसएफ की आवाजाही पर नजर रखता था तथा गतिविधियों के फोटो और वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेजता था। जांच एजेंसियों के अनुसार यदि समय रहते उसकी गिरफ्तारी नहीं होती तो दुकान पर लाइव फीड कैमरे लगाए जाने की तैयारी थी। इन कैमरों के जरिए सैन्य गतिविधियों की सीधी जानकारी पाकिस्तान तक पहुंचाई जा सकती थी। प्रारंभिक जांच में आरोपी के बैंक खातों में यूपीआई के माध्यम से 25 से 30 हजार

रुपए तक के संदिग्ध लेनदेन भी सामने आए हैं। एजेंसियां इन वित्तीय लेनदेन की भी जांच कर रही हैं। सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि मुस्ताक ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी महत्वपूर्ण जानकारीयां पाकिस्तान भेजी हो सकती हैं। हालांकि इस संबंध में तकनीकी जांच और पृष्ठताछ जारी है तथा अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। सीआईडी इंटेलिजेंस के अनुसार मुस्ताक पिछले दो वर्षों से एजेंसियों की निगरानी में था।

पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि पाकिस्तानी हैंडलर खालिद ने राजस्थान और अन्य क्षेत्रों में कितने लोगों का नेटवर्क तैयार किया है तथा इस जासूसी तंत्र की जड़ें कितनी गहरी हैं। पृष्ठताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। इसके अलावा पृष्ठताछ में यह भी पता लगाया जा रहा है कि खालिद ने और कितने लोगों को जासूसी के लिए तैयार किया है।

भारत का डिफेंस प्रोडक्शन

1.78 लाख करोड़ हुआ

एक साल में 15.6% बढ़ा; रक्षा मंत्रालय ने

हथियारों की सफलता के बारे में भी बताया

नई दिल्ली। भारत का सालाना डिफेंस प्रोडक्शन 2025-2026 में 1.78 लाख करोड़ के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि यह 2024-2025 के 1.54 लाख करोड़ के मुकाबले 15.6% बढ़ा है। वहीं, साल 2020-2021 (84,643 करोड़) के मुकाबले इसमें 110% का भारी उछाल आया है।



वित्तीय वर्ष 2013-2014 में देश का स्वदेशी रक्षा उत्पादन 43,746 करोड़ था, जो अब करीब चार गुना बढ़ चुका है। पीएम मोदी ने भी एक्स पर लिखा कि पिछले 12 सालों में आत्मनिर्भरता, तकनीक, इनोवेशन और स्वदेशी मैनुफैक्चरिंग के दम पर भारत के रक्षा क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव आया है। इसके साथ ही रक्षा मंत्रालय ने रक्षा सौंदों के साथ भारत के प्रमुख हथियारों की सफलता के बारे में भी बताया।

सरकार लॉन्च करेगी स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम, मजबूत होगी देश की खाद्य सुरक्षा

नई दिल्ली। सरकार खाद्यान्न भंडारण के लिए स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम लॉन्च करने जा रही है। यह कदम आधुनिक, तकनीक-सक्षम और अधिक कुशल सार्वजनिक भंडारण व्यवस्था के जरिए देश की खाद्य सुरक्षा को और मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया है। खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) 18 जून को नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम का शुभारंभ करेगा। इस कार्यक्रम में केंद्रीय उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रल्हाद जोशी मौजूद रहेंगे। स्मार्ट वेयरहाउसिंग सिस्टम को एक एकीकृत तकनीक-आधारित समाधान के रूप में विकसित किया गया है, जिसका उद्देश्य गोदाम प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत बनाना और खाद्यान्न भंडारण से जुड़े कार्यों की दक्षता बढ़ाना है।

जयपुर (नवयत्न) राजस्थान नर्सज संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर सिविद नर्स दीपक खारवाल को सेवा से हटाए जाने के विरोध तथा उनकी पत्नी व बच्चों को मुआवजा एवं सरकारी नौकरी देने की मांग को लेकर नर्सिंगकर्मियों का आंदोलन पांचवें दिनांक बुधवार को भी जारी रहा। बुधवार को एसएमएस मेडिकल कॉलेज के मुख्य द्वार पर धरना दिया गया, जबकि जेके लोन चिकित्सालय के नर्सिंगकर्मियों ने अस्पताल के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व पवन सोनी, प्रदीप प्रिंसेट, महेंद्र मोहा और गोविंद शर्मा ने किया। संघर्ष समिति के प्रदेश संयोजक राजेंद्र शर्मा और राणा सहित अन्य वक्ताओं ने वर्षों से कार्यरत नर्सों का पुनः सेवा में लेने की मांग उठाई। उन्होंने आरोप लगाया कि सिविद नर्सिंगकर्मियों को अवैधधनिक तरीके से हटाया गया है तथा न्यायालय के निर्देशों की भी अनदेखी की गई है। संघर्ष समिति ने चेतावनी दी कि मांगें नहीं मानी गई तो आगामी चरण में नर्सज शोक दिवस मनाकर सामूहिक अवकाश लिया जाएगा। गुरवार को ध्वसन गुरु संस्थान, शास्त्री नगर में भी दो घंटे का विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन में कैलाश शर्मा, शकुंतला पूनिया, ममता दुबे, सुमन पाठक, मनोज दुबई सहित बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष नर्सिकर्मियों शामिल हुए। समिति के अनुसार अमेर, बीकानेर, जोधपुर, कोटा, चूरू, दौसा और झालावाड़ सहित प्रदेश के करीब 20 जिलों में भी विरोध प्रदर्शन किए गए।

जयपुर (नवयत्न)। तारों की कूट स्थित सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से जुड़े जैन परिवारों की परिचय पुस्तिका का विमोचन कार्यक्रम को मंदिर परिसर में आयोजित सादे समारोह में किया गया।

राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावादा, मंदिर समिति के संस्कृत एवं पुस्तिका के संपादक नाभिराय जैन सौगानी तथा अध्यक्ष नवीन छाबड़ा ने भगवान शांतिनाथ के जयकारों के बीच पुस्तिका का विमोचन किया। इस अवसर पर विनोद जैन कोटखावादा ने कहा कि परिचय पुस्तिका समाजोपयोगी सिद्ध होगी। इससे समाज में मेलजोल और आपसी समन्वय बढ़ेगा तथा वैवाहिक संबंधों के लिए भी यह उपयोगी साबित होगी। पुस्तिका के संपादक एवं पुण्यार्जक नाभिराय जैन सौगानी ने बताया कि आचार्य 108 प्रज्ञासागर महाराज एवं मुनि विनम्र सागर महाराज के आशीर्वाद से प्रकाशित इस पुस्तिका में श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का इतिहास, आवश्यक सेवाओं के फोन नंबर और अन्य जैनोपयोगी जानकारीयें शामिल की गई हैं। यह पुस्तिका स्व. बिरधीलाल सेठी, स्व. चांदमल सौगानी, स्व. अनोख बाई सौगानी, स्व. धरनाज जैन एवं स्व. सुरेश कुमार सौगानी की पुण्य स्मृति में प्रकाशित की गई है। प्रकाशित सहयोगी मनोज सौगानी एवं विनोद सौगानी ने बताया कि पुस्तिका में सूर्य नगर, कृषि नगर, तर छाया नगर, सुदामा नगर, प्रेम कालीनी, आर. के. पुरम, चौधरी चरण सिंह कालोनी सहित आसपास की बस्तियों के 132 जैन परिवारों के सदस्यों का फोटो सहित परिचय प्रकाशित किया गया है।



सीकर (नवधल)। दानवीर, प्रतापी, सीकर के लोक कल्याणकारी राव राजा कल्याण सिंह बहादुर के 140वें जन्म दिवस पर 20 जून को भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राजकुमार हरदयाल सिंह त्रैलोक्य राज्य लक्ष्मी देवी चैरिटेबल ट्रस्ट एवं संसद के संयुक्त तत्वावधान में उनके जन्म दिवस को जयंती समारोह एवं अलंकरण कार्यक्रम के रूप में गोपीनाथ गोशाला के सामने स्थित गोविन्दम् में सुबह सवा 10 बजे मनाया जाएगा। यह जानकारी ट्रस्ट के मंत्री पवन मोदी व संयोजक नितरंजन सिंह राठौड़ ने पदाधिकारियों के साथ रात्री महल में आयोजित प्रेसकां वार्ता में दी। पवन मोदी ने बताया कि कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री दिया कुमार होंगी। विशिष्ट अतिथि यूडीएच मंत्री डाबरसिंह खुरां होंगे व कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद राव राजेंद्र

तारानगर (नवथल)। गोवा में 13 व 14 जून को आयोजित अखिल भारतीय प्रजापति कुंभकार संघ के दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्पूर्ण भारतवर्ष से 18 राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अधिवेशन की शुरुआत संघ की पूर्व राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष स्व. सरोज प्रजापत को श्रद्धांजलि देकर की गई। अधिवेशन की अध्यक्षता संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार रघुवीर सिंह राठी राजा ने की। अधिवेशन में संगठन की



हैं। समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, युवा एवं गणराज्य नागरिक उपस्थित रहे। इसी अवसर पर श्री तंवरबाबू राजपूत सभा ने 18 जून को कोटडोवाड़ा स्थित यू.एस. पैराडाइज जल में हल्दीदाजी युद्ध के अमरसमय बलिदान राजा रामशाह तंवर एवं उनके वीर पुत्रों की स्मृति में हल्दीदाजी शौर्य स्मृति समारोह आयोजित करने की घोषणा की। कार्यक्रम में इतिहास चिंतक डॉ. ओमेन्द्र सिंह रलू मुख्य वक्ता होंगे।

वहीं अखिल भारतीय गौशाला सहयोग परिषद एवं प्राकृतिक कृषि आदान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में टोंक रोड स्थित वैदिक पादप औषधि केन्द्र में आयोजित कार्यक्रम में प्राकृतिक कृषि, गौरक्षक और आत्मनिर्भर भारत का संदेश दिया गया। परिषद के अंतरराष्ट्रीय संयोजक डॉ. अतुल गुप्ता ने राजस्थान की प्राकृतिक एवं जैविक कृषि राज्य घोषित करने की मांग की। कार्यक्रम में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने,

किसानों को विशेष सहायता उपलब्ध करने तथा गौ-आधारित कृषि को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। वहीं इन कार्यक्रमों का समापन राष्ट्रगान, भारत माता की जय और झ्झारणा प्रगत अमर रहे के जयघोष के साथ हुआ। महाराणा प्रताप जयंती के अवसर पर आयोजित इन आयोजनों ने उनके शौर्य, स्वाभिमान और राष्ट्रभक्ति की अमर विरासत को जन-जन तक पहुंचा का संदेश दिया।



चिडवा (नवयल) । ब्रह्म चैतन्य संस्थान चिडवा के अध्यक्ष मोतीलाल लाटा ने बुधवार को एक समारोह के दौरान अपनी नई टीम का गठन किया। समारोह के अरंभ में संस्थान के नवनियुक्त अध्यक्ष मोतीलाल लाटा ने पूर्व अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र का स्वागत किया। इसके बाद अध्यक्ष लाटा की अनुमति से संस्थान के सचिव सुरेश कुमार शर्मा ने नई कार्यकारिणी और उप-समितियों की आधिकारिक घोषणा की। संस्थान को मजबूती देने के लिए अनुभवी सदस्य जिसमें अध्यक्ष मोती लाल लाटा, उपाध्यक्ष राधेश्याम शर्मा सुखाडिया, महासचिव

सुरेश कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष रवि शर्मा पचेरीवाला, मीडिया प्रभारी रजनीकांत शर्मा, कर सलाहकार सीएस सुनील शर्मा, कानूनी सलाहकार एडवोकेट लोकेश शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य शिम्पुध्याल पुजारी, शुभराम शर्मा, प्रमोद शर्मा ओजड्वाला, दीपक कौशिक, विश्वास अड्डावाटिया, डॉ अनवतर कृष्ण शर्मा और अनिल जोशी सम्मिलित हैं। संस्थान के सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक कार्यों को गति देने के लिए चार प्रमुख उप-समितियों का गठन कर उनके प्रभारियों की घोषणा की गई। जिसमें संगठन समिति प्रभारी पूर्व पार्षद विरकांत शर्मा। पांडित्य समिति प्रभारी हीरालाल पुजारी। निर्माण एवं रखरखाव समिति रूखर प्रभारी

सामगोपाल मिश्र। शिक्षा समिति प्रभारी कैलाशराव चतुर्वेदी। उपसमिति सदस्य इन समितियों के सदस्य।
सुचारु रूप से चलाने के लिए सुरेंद्र कुमार वैद्य,
अनिल मिश्र, मुकेश पुजारा, संदीप शर्मा, धर्मदेव
तिवाड़ी, विनोद कुमार शर्मा, अशोक कुमार
शर्मा, अनिल शर्मा भारती, नवल-किशोर लाटा,
संतोष अड्डावतिया, अनिल शर्मा, राजेश शर्मा,
नातवाल, नगेंद्र शर्मा, पवन शर्मा नवाहाल, कृष्ण
दहसा, निरंजन लाल शर्मा और सुशील कुमार
दाधीच को सदस्य के रूप में शामिल किया गया
है। कार्यक्रम का संचालन डॉ अशोक कुमाराराव
प्रधान ने किया। इस अवसर पर श्याम सुंदरी शर्मा,
संदीप शर्मा, संदीप अर्क, अशोक जोशी और
नरेश शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।



सीकर (नवयथ) । अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मंडल अस्थक्ष इन्द्र चंद शर्मा के नेतृत्व में योग प्रशिक्षण का आयोजन बुधवार को किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य योग के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में जिले की योग संयोगकर्ता नीलम मिश्रा के साथ मंच पर कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मनोज बाटड, योग प्रशिक्षक आलोक कौशिक, महावीर जागिड़, विशाखा कुमावत, सुमन सारण, प्रियंका कुल्शेरी, सन्तरा चौधरी इत्यादि ने योग प्रोटोकॉल के अनुसार योग की बारिकियाँ बताईं। सभी अतिथियों ने योग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए नियमित योगाभ्यास करने का संदेश दिया। मंडल अस्थक्ष इन्द्र चंद शर्मा ने कहा कि योग भारत की प्राचीन संस्कृति की अमूल्य धरोहर है जो शरीर, मन और आत्मा को स्वस्थ एवं संतुलित रखने का माध्यम है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों से नियमित योग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में एडवोकेट बजरंग साल, राज शर्मा, विजय सिंह राणा, भावेश कुमावत, दिनेश पाराशर, गिरधारी सैनी, सीमा शर्मा, हरण डिकिया, बभानी नाथ, संजु सैनी, नरेश कुमावत, मनोहर फूलतारिया, प्रियंका, अशोक, अनशीषा पारी, बॉक्सर दक्ष, आशीष, प्रियांशु, रौनक, तानिया, पारस, रवि, प्रकाश, अजय बट्टाजूर, लक्ष्मण, हर्षित शर्मा, खुशाल, केशव सहित बाड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास करवाया गया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया तथा योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन स्वस्थ भारत, सशक्त भारत एवं जनकल्याण के संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफल बनाते तथा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने का आह्वान किया।

सुजांनगढ़ (नवबल्ल)। बारिश आने के साथ ही पौधरोपण का सिलसिला शुरू हो गया है। अनेक जगहों पर लोगों ने पौधरोपण शुरू कर दिया है। इसी के तहत ग्रीन स्पेस पार्क में सामाजिक कार्यकर्ता सोहिल गोपालपुरिया, संजय, विकास, निर्मल आदि ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर सोहिल गोपालपुरिया ने कहा कि मानसून दस्तक देने वाला है इसलिए हमें अधिक से अधिक पौधरोपण करने पर ध्यान देना चाहिए ताकि पर्यावरण का संरक्षण हो सके।





सम्पादकीय

जी-7 की बैठक



फ्रांस में जी-7 की बैठक के चलते विश्व का ध्यान उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और लोकतंत्र वाले देशों के इस संगठन की ओर जाना स्वाभाविक है। वैसे तो इस संगठन के सदस्य देशों में अमेरिका के अतिरिक्त ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान भी शामिल हैं, लेकिन कुल मिलाकर इस पर अमेरिका का ही दबदबा रहता है। प्रति वर्ष जब भी जी-7 देशों की बैठक होती है तो यह संगठन चर्चा में तो आता है, लेकिन अभी तक का अनुभव यही बताता है कि वह कोई विशेष प्रभाव नहीं छोड़ पाता। इस बार भी ऐसा ही हो तो हैरत नहीं, क्योंकि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप सदस्य देशों को सहयोगी कम, अपना अनुयायी अधिक समझते हैं। राष्ट्रपति के रूप में अपने इस दूसरे कार्यकाल में उन्होंने करीब-करीब सभी सदस्य देशों के साथ टेरिफ और अन्य मामलों में मनमाना व्यवहार किया है।

कुछ सदस्य देशों के साथ तो उन्होंने बहुत ही बुरा बर्ताव किया है। उनके अपनी ही चलने वाले रवैये के कारण अमेरिका के अन्य देशों के साथ मतभेद बढ़े हैं। इसे देखते हुए इसके आसार कम ही हैं कि यह संगठन टैरिफ, जलवायु परिवर्तन, एआई के उचित उपयोग आदि के मामले में किसी सहमति पर पहुंच कर ऐसे कोई निर्णय ले पाएगा, जो विश्व की समस्याओं के समाधान में सहायक बनेंगे।

यह एक तथ्य है कि आपसी मतभेदों के कारण ही जी-7 संगठन न तो रूस-यूक्रेन युद्ध को थाम पाया और न ही पश्चिम एशिया संकट समेत अन्य वैश्विक समस्याओं को समय रहते सुलझा सका। इस बार बैठक का एक प्रमुख एजेंडा व्यापारिक असंतुलन दूर करना भी है, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि इस असंतुलन का एक बड़ा कारण तो खुद अमेरिका है। ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने सदस्य देशों के साथ ही अन्य कई देशों पर जैसी धौंस जमाने की कोशिश की है, उसकी मिसाल मिलना कठिन है। चूंकि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी भारतीय प्रधानमंत्री को मेहमान के रूप में इस संगठन में आमंत्रित किया गया है, इसलिए भारत के साथ विकासशील एवं निर्धन देशों का ध्यान भी इस बैठक की ओर जाएगा, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी ने इन देशों की आकांक्षाओं को रेखांकित करने की बात कही है।

वे पहले भी ऐसा करते रहे हैं। जी-7 बैठक के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री की अमेरिकी राष्ट्रपति से अलग से मुलाकात होने के चलते यह भी विशेष रूप से देखना होगा कि दोनों देशों के संबंधों में व्यापक सुधार का रास्ता साफ होता है या नहीं? यदि अमेरिका इस संगठन को प्रभावी बनाना चाहता है तो उसे सदस्य देशों के साथ समानता का व्यवहार करना होगा। निःसंदेह ऐसी ही अपेक्षा भारत और अन्य मेहमान देशों की भी रहेगी। अमेरिकी राष्ट्रपति को यह आभास होना चाहिए कि अब अमेरिका पहले जितना सक्षम नहीं रहा।

रोज की यह गलत आदतें आपके बालों को पहुंचाती हैं नुकसान

हर कोई घने और स्वस्थ बाल पाना चाहता है। हालांकि, डाइट में पोषक तत्वों की कमी का असर बालों पर भी साफ देखने को मिलता है। पोषण की कमी की वजह से बाल तेजी से टूटने और झड़ने लगते हैं। इसके साथ वह कमजोर हो जाते हैं। लेकिन आदतों में कुछ बदलाव कर आप बालों को हेल्दी बना सकते हैं। आज के समय में बालों को उचित देखभाल न करने की वजह से भी बाल समय से पहले ही टूटने व सफेद होने लगते हैं। प्रदूषण और तेज धूप भी बालों को डैमेज करने का काम करती है। हमारी रोजाना की कुछ आदतें भी बालों पर हानिकारक प्रभाव डालने और उन्हें खराब करने के लिए जिम्मेदार होती हैं।



ड्रायर और हीटिंग टूल्स का उपयोग

प्लैट आयरन, कलिंग वैंड और ब्लो ड्रायर जैसे हीट स्टायलिंग टूल्स का नियमित उपयोग बालों की जड़ों को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। अत्यधिक गर्मी बालों की जड़ों को कमजोर कर देती है, जिसके परिणामस्वरूप बाल रूखे और दोमुंहे हो सकते हैं। जब भी हीट स्टायलिंग की जरूरी हो, ऐसे में अपने बालों को हानिकारक प्रभावों से बचाने के लिए हीट प्रोटेक्टर स्प्रे या सीरम का इस्तेमाल करें।

ज्यादा गर्म पानी से बालों को धोना

बालों को गर्म पानी से अधिक समय तक धोने से उसका नैचुरल ऑयल हट जाता है। इससे बालों में रूखापन और दोमुंहे होने की समस्या हो सकती है। इसके अतिरिक्त, नहाने के दौरान गर्म पानी का उपयोग बालों के रोम छिद्रों को कमजोर करके बालों से जुड़ी समस्याओं को बढ़ा सकता है। बालों की प्राकृतिक नमी को बनाए रखने के लिए सप्ताह में 2 से 3 बार बालों को धो सकते हैं। साथ ही, इसको धोने के लिए नॉर्मल पानी और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें।

तौलिये से बालों को न रगड़ें

धोने के बाद अपने बालों को तौलिए से जोर से रगड़ने से बाल टूटते और उड़ते हैं। ऐसे में आप बालों का एकट्टा पानी हटाने के लिए हल्के हाथों से तौलिये का उपयोग करें। बालों को पोखने के लिए आप आप तौलिये की जगह पर कॉटन के कपड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बालों को टाइट न बांधें

बालों को कमजोर होने से बचाने के लिए आपके लिए उन्हें टाइट न बांधें। साथ ही, रात को सोते समय बालों को टाइट न बांधें। इससे सिर की स्क्वेल्प का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और बालों को पर्याप्त ऑक्सीजन मिलता है।

कैमिकल प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें

बालों में कैमिकल युक्त हेयर प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करें। इससे बालों पर होने वाले हानिकारक प्रभावों को कम करने में मदद मिलती है। कैमिकल युक्त हेयर प्रोडक्ट आपके बालों को डैमेज कर सकते हैं। इससे हेयर फॉल की समस्या बढ़ सकती है।

स्वास्थ्य समाचार

सोने से पहले इन फूड्स को डाइट में लेने से नींद आने में मिलती है मदद

नींद ना आने की समस्या काफी सारे लोगों को परेशान करने लगी है। जिसका सीधा संबंध खानपान और लाइफस्टाइल से जुड़ा होता है। कई बार गलत खाना भी नींद को डिस्टर्ब करता है। ऐसे में जरूरी है कि आप कौन सा फूड खा रहे हैं इसका पूरा ध्यान रखें। फल, सब्जियां, नट्स में सारे तरह के मिनरल्स और शरीर से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने वाले तत्व होते हैं। कुछ फूड्स ऐसे होते हैं जो नींद लाने में हेलप करते हैं। इन्हें रोजाना रात को सोने से पहले खाया जाए तो नींद अच्छी आती है।

बादाम

बादाम को सबसे जरूरी ड्राई फ्रूट्स माना जाता है। इसे रोजाना खाने से काफी सारे फायदे होते हैं। लेकिन अगर आप रात को सोने से पहले बादाम खाते हैं तो ये अच्छी नींद लाने में मदद करता है। बादाम में मेलाटोनिन होता है जो बाँड़ी क्लॉक को रेगुलेट करने का काम करता



है और बाँड़ी को सोने के लिए सिग्नल देता है।

कैमोमाइल टी

अगर आप हर्बल टी लेना पसंद नहीं करते हैं तो इसके फायदे जान लें।

कैमोमाइल टी काफी पॉपुलर हर्बल टी है, जिसे हेल्दी ड्रिंक में गिना जाता है। रात को सोने से पहले एक कप कैमोमाइल टी पीने से एंजाइटी और डिड्रेशन कम होता है। साथ ही इसमे ऐसे तत्व होते हैं जो नींद की क्वालिटी पर

भूलकर भी पानी पीते समय न करें यह गलतियां, सेहत को उठाना पड़ेगा बड़ा नुकसान

आयुर्वेद के अनुसार, व्यक्ति को सेहतमंद बने रहने के लिए खाने-पीने से जुड़े कुछ नियमों का सख्ती से पालन करना चाहिए। ऐसा ही एक नियम पानी पीने का भी है। आप सोच रहे होंगे भला पानी पीने के लिए कौन से नियम की जरूरत होती है। तो आपको बता दें, शरीर का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा पानी का बना हुआ है। ऐसे में अगर आप पानी सही मात्रा और तरीके से नहीं पीते हैं तो आपके शरीर की कई सारी गतिविधियां रुक सकती हैं और आप बीमार पड़ सकते हैं।

खड़े होकर पानी पीना

आपने अपने आसपास कई ऐसे लोगों को देखा होगा, जिन्हें खड़े होकर पानी पीने की आदत होती है। हो सकता है आप भी ऐसा करते हों। लेकिन क्या आप जानते हैं सेहत के लिहाज से आपका ऐसा करना सही नहीं है। खड़े होकर पानी पीने की आदत शरीर के फ्लुइड बैलेंस को बिगाड़कर अपच की दिक्रत पैदा कर सकती है। बेहतर होगा पानी पीते समय आप आराम से बैठकर छोटे-छोटे सिप लेकर पानी पिएं।

प्यास लगने पर ही पिएं पानी

अगर कम पानी पीना गलत है तो जरूरत से ज्यादा पानी

विशेष आलेख

आशंकाओं से घिरा शांति समझौता



अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते पर सहमति बनने की घोषणा के बाद पूरी दुनिया ने राहत की सांस ली है। विस्तीय बाजारों में उत्साह दिखा तो कच्चे तेल की कीमतें नरम पड़ीं। हालांकि उम्मीद की इस किरण के पीछे कुछ आशंका भी है।

ऐसा इसलिए, क्योंकि यह कोई अंतिम शांति संधि नहीं है, बल्कि भविष्य की वार्ताओं के लिए एक रूपरेखा मात्र है। यह समझौता तत्काल संघर्ष को रोकने और अमेरिका तथा ईरान के संबंधों को नई दिशा देने का अवसर अवश्य प्रदान करता है, किंतु यह अभी भी नाजुक, विवादास्पद और अनिश्चितताओं से घिरा हुआ है। वैसे भी कागज पर हुई शांति हमेशा धरातल पर साकार रूप नहीं ले पाती।

पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है।

इस जलमार्ग के अवरुद्ध होने से वैश्विक ऊर्जा बाजारों में भारी उथल-पुथल मच गई थी और दुनिया भर में महंगाई बढ़ने की आशंका पैदा हो गई थी। इस जलमार्ग का फिर से खुलना और अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी के हटने से न केवल सैन्य टकराव का खतरा घटा है, बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के सामान्य होने की उम्मीद भी जगी है।

हालांकि प्रमुख शिपिंग कंपनियों ने संकेत दे दिया है कि होर्मुज से सामान्य आवाजाही बहाल होने में महीनों लग सकते हैं। समुद्री बीमा की लागत अब भी ऊंची है, बंदरगाहों और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है और सबसे महत्वपूर्ण यह है कि इस समझौते की स्थिरता को लेकर अभी भी भरोसा नहीं बन पाया है। बाजार सकारात्मक खबरों पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं, लेकिन व्यापार जगत केवल घोषणाओं पर नहीं, बल्कि स्थायी स्थिरता पर भरोसा करता है। इस समझौते की सबसे बड़ी चुनौती ईरान के

परमाणु कार्यक्रम का मुद्दा है, जिसने दोनों देशों के संबंधों को दशकों से उलझाए रखा है। अमेरिकी प्रशासन का दावा है कि ईरान ने कभी परमाणु हथियार न बनाने पर सहमति व्यक्त की है। जबकि ईरान का कहना है कि वर्तमान समझौता केवल प्रारंभिक ढांचा है और परमाणु मुद्दे पर वास्तविक बात बाद में होगी, जब दूसरे पक्ष अपने शुरुआती दायित्वों को पूरा करेंगे।

दोनों पक्षों की यह विरोधाभासी व्याख्या किसी तकनीकी अंतर का प्रश्न नहीं है, बल्कि यही इस समझौते की कमजोरी का मूल कारण भी है। ईरान पर प्रतिबंधों का मुद्दा भी उतना ही विवादास्पद है। कुछ रिपोर्टों में कहा गया है कि ईरान को उसकी जब्त संपत्तियों तक पहुंच मिल सकती है और तेल निर्यात पर लगे प्रतिबंधों में ढील दी जा सकती है। अमेरिकी प्रशासन इन बातों से इन्कार करते हुए कहता है कि आर्थिक लाभ तभी मिलेंगे, जब ईरान अपने दायित्वों का पालन करेगा। यह अस्पष्टता फिलहाल दोनों सरकारों के लिए राजनीतिक रूप से उपयोगी हो सकती है, क्योंकि वे घरेलू स्तर पर इसे अपनी जीत के रूप में पेश कर सकती हैं, लेकिन भविष्य में यही अस्पष्टता गंभीर विवाद का कारण भी बन सकती है।

अमेरिका और ईरान दोनों की घरेलू राजनीति इस समझौते के भविष्य को प्रभावित करेगी। अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों दलों के सांसदों ने समझौते के बारे में अधिक जानकारी मांगी है। कई सांसद इससे असंतुष्ट हैं कि कांग्रेस को भरोसे में नहीं लिया गया। ट्रंप प्रशासन ने फिलहाल भले ही एक कूटनीतिक गुंजाइश बनाई हो, लेकिन इसे स्थायी समझौते में बदलने के लिए उसे गहरे राजनीतिक विभाजन से जूझना पड़ेगा।

ट्रंप के लिए यह समझौता राजनीतिक दृष्टि से लाभकारी कहा जा सकता है। मध्यावधि चुनावों से पहले जारी युद्ध, तेल की ऊंची कीमतें और अनिश्चित परिणाम उनकी राजनीतिक संभावनाओं को नुकसान पहुंचा सकते थे। इसके विपरीत यह समझौता उन्हें एक निर्णायक और शांति स्थापित करने वाले नेता के रूप में प्रस्तुत करने का अवसर देता है। उनके समर्थक इसे सैन्य दबाव के

परिणाम के रूप में देख सकते हैं, जबकि आलोचक यह सवाल उठाते रहेंगे कि क्या यह युद्ध कभी आवश्यक था भी या नहीं।

ईरान का दावा है कि महीनों के संघर्ष के बावजूद उसकी सरकार कायम रही, उसके क्षेत्रीय सहयोगी सुरक्षित रहे और पश्चिम एशिया में उसका प्रभाव कम नहीं हुआ। ईरानी नेतृत्व का मानना ​​है कि अमेरिका और इजरायल अपने व्यापक राजनीतिक उद्देश्यों को हासिल करने में असफल रहे। कोई भी पक्ष कमजोर दिखाई नहीं देना चाहता और यही कारण है कि आगे की वार्ताएं और कठिन हो सकती हैं।

इजरायल की स्थिति इस समझौते को और अधिक जटिल बनाती है, क्योंकि उसके प्रधानमंत्री नेतन्याहू इस समझौते को लेकर उत्साहित नहीं दिखते। वे पहले ही संकेत दे चुके हैं कि इजरायली सैनिक दक्षिणी लेबनान में बने रहेंगे और यदि उन्हें किसी खतरे की आशंका होगी तो वे सैन्य कार्रवाई से हिचकेंगे नहीं।

अंतरराष्ट्रीय समुदाय यही चाहेगा कि यह समझौता टिकाऊ बने, क्योंकि संघर्ष छिड़ने से व्यापक आर्थिक समीकरण फिर से गड़बड़ाएंगे। यह समझौता कोई गंतव्य न होकर उसकी दिशा में प्रस्थान ही है। यह कठिन प्रश्नों का समाधान नहीं करता, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए टाल देता है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम, प्रतिबंधों का भविष्य, क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था और इजरायल की चिंताएं अभी भी अनसुलझी हैं।

यह भी सच है कि कूटनीति अक्सर ऐसे ही नाजुक समझौतों से शुरू होती है। शांति की प्रक्रिया कभी एक झटके में पूरी न होकर छोटे-छोटे समझौतों, असफलताओं और नए प्रयासों के माध्यम से आगे बढ़ती है। यह समझौता शायद एक अस्थायी विराम हो, लेकिन यह भी संभव है कि यही पश्चिम एशिया की राजनीति को नई दिशा देने वाली एक स्थायी व्यवस्था की नींव बने। यह इस पर निर्भर करेगा कि वाशिंगटन, तेहरान और उनके क्षेत्रीय साझेदार कितनी दूरदर्शिता, संयम और राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिचय देते हैं। इस लिहाज से आने वाले दिनों में होने वाली वार्ताएं बहुत निर्णायक साबित होंगी।

मेघ

दौड़-धूप अधिक होगी। बुरी सूचना मिल सकती है। विवाद न करें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे। वाहन देखकर चलाए। परिस्थितियां अनुकूल होंगी। कुछ विरोध होगा। विरोधी अपमान करेंगे। शांति होगी।

वृष

कार्यप्रणाली में सुधार होगा। योजना फलीभूत होगी। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। यात्रा के योग बनेंगे। लाभ होगा। राज्य से परेशानी हो सकती है। स्त्री को कष्ट। जायदाद वृद्धि के योग बनेंगे। कष्ट-भय की संभावना, अस्वस्थता, आलस्य का अनुभव करेंगे।

मिथुन

रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। व्यवसाय मनुनुकूल लाभ होगा। रोग घेरेंगे। जिताने बढ़ेगी। शत्रु शांत होंगे। अपमान, कष्ट, कलह से बचना होगा। राज्य से लाभ के अवसर बढ़ेंगे। लाभ होगा। शत्रु परेशान करेंगे। कुछ नुकसान होगा।

कर्क

कोर्ट व कचहरी के कार्य बनेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। हानि, भय, कष्ट का वातावरण बनेगा। कुछ लाभ के आसार दिखेंगे। दुखद समाचार मिलने की संभावना है। अस्वस्थता होगी। कुसंग से हानि, कुछ लाभ के आसार दिखेंगे। शत्रु शांत रहेंगे।

सिंह

चोट, चोरी व विवाद आदि से हानि संभव है। व्यवसाय ठीक चलेगा। जल्दबाजी न करें। कष्ट होंगे। खर्च बढ़ेंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। धनागम के अवसर बनेंगे। आ बैल भुझे मार की स्थिति निर्मित न होने दें। अकारण भय बना रहेगा। व्यापारी सोच-समझकर निर्णय लें।

कन्या

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। थकान महसूस होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। कष्टों में वृद्धि के योग हैं। कुछ नए कार्य की संभावना सिद्ध होगी। कष्टों में निम्नलि नहीं होंगी। कलह से बचना होगा। अधिभार के लिए प्रयत्न करना होगा। धनागम होगा। शरीर शिथिल होगा।

तुला

मेहनत का फल मिलेगा। कार्यसिद्धि होगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर पृष्ठ-परख बनी रहेगी। मातृपक्ष से परेशानी होगी। दुर्घटना की संभावना। धन मिलने की परिस्थिति निर्मित होगी। अंतरंगपरंपरा से कार्य करें। धनागम के अवसर बढ़ेंगे। प्रमाद का त्याग करना होगा।

वृश्चिक

यात्रा, नौकरी व निवेश मनुनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ होगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। शुभ समाचार की आशा बढ़ेगी। शत्रु षडयंत्र रचेंगे। सावधान रहने की आवश्यकता है। पारक्रम दिखलाने का अवसर है। लाभ होगा। रिश्ता न लें। नम्रता बनाए रखें।

धनु

चिंता तथा तनाव रहेंगे। फालतू खर्च होगा। कुसंगति से बचें। चोट व रोग से बचें। विवाद न करें। आवश्यकताएं बढ़ेंगी। आर्थिक तंगी हो सकती है। कर्ज से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएं। शत्रु परेशान करेंगे। हानि नहीं पहुंचा पाएंगे। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा।

मकर

यात्रा, नौकरी व निवेश मनुनुकूल रहेंगे। बकाया वसूली होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। विवाद न करें। नेत्र पीड़ा की संभावना। कुछ लाभ। यात्रा के योग टलेंगे। विरोधी सक्रिय होंगे। ज्ञानीजनों से मुलाकात होगी। शांति बनाना आवश्यक है। अकारण भय व्याप्त होगा। शत्रु शांत होंगे।

कुंभ

राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बढ़ेगी। हानि-लाभ का वातावरण बनेगा। पराक्रम बढ़ेगा। विजय मिलेगी। गर्व न करें। ईमानदारी से कार्य करते रहें। समय पक्ष का है। स्त्री सुख, यात्रा में हानि, दुख। विरोधी कष्ट देंगे।

मीन

विवाद से वलेश होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। आपसी मतभेद, मनमुटाव बढ़ेगा। किसी से मदद की उम्मीद नहीं रहेगी। आर्थिक समस्या बनी रहेगी। व्यवसायनता से बचें। व्यापार, रोजगार मध्यम रहेगा।

आज का राशिफल

विशेष अभियान में 1.10 लाख से अधिक वाहनों पर कानूनी हंटर

निस

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान की सड़कों पर सुगम, सुरक्षित और नियमबद्ध यातायात व्यवस्था कायम करने के लिए पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर शुरू हुआ महा-अभियान हर दिन नए रिकॉर्ड बना रहा है। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के कड़े निर्देशों के बाद प्रदेश के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल मुस्तैद है। इस पूरे अभियान की कमान महानिदेशक पुलिस यातायात अनिल पालीवाल और अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस यातायात डॉ. बी.एल. मीणा संभाल रहे हैं, जिनके सुपरविजन में जिला पुलिस और ट्रैफिक टीमें सुबह से देर रात तक काली फिल्म, अवैध हूटर और मॉडिफाइड चैसिस वाले वाहनों को खंगाल रही हैं। डीजी ट्रैफिक पालीवाल ने बताया कि समेकित आंकड़ों पर नजर डालें तो 4 जून से 16 जून 2026 तक के 13 दिनों के भीतर राजस्थान पुलिस ने कुल 1,10,206 वाहनों के खिलाफ सख्त दंडात्मक और विधिक कार्रवाई की है। इनमें ब्लैक फिल्म, नियम विरुद्ध नंबर प्लेट, वाहन की अवैध संरचना परिवर्तन, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्टोब लाइट, हूटर, प्रेशर हॉर्न तथा वाहनों पर अनाधिकृत शब्द एवं चिन्ह लगाने वालों के खिलाफ सख्त प्रवर्तन किया गया। अभियान के तहत 16 जून को अकेले 7, 328 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। 4 जून से 16 जून तक अभियान के दौरान वाहनों के शीशों पर लगी ब्लैक फिल्म के विरुद्ध सर्वाधिक 41,982 कार्रवाई की गई। इसके अलावा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट एवं पंजीयन चिन्ह के 28,462, वाहनों पर अनाधिकृत शब्द, चिन्ह एवं लेखन के 15,156, वाहन की संरचना बाँड़ी/चैसिस में अवैध परिवर्तन के 10,606, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्टोब लाइट एवं हूटर के 8,066 तथा प्रेशर हॉर्न/एयर हॉर्न के 5,934 मामलों में कार्रवाई की गई। इस अभियान के तहत 16 जून को प्रदेशभर में कुल 7,328 वाहनों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। इनमें वाहन की संरचना में अवैध परिवर्तन के 736, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, स्टोब लाइट एवं हूटर के 638, प्रेशर हॉर्न/एयर हॉर्न के 435, ब्लैक फिल्म के 2,565, वाहनों पर अनाधिकृत शब्द, चिन्ह एवं लेखन के 1,037 तथा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट एवं पंजीयन चिन्ह के 1,917 मामलों में चालान बनाए गए। 16 जून को जिला स्तर पर जयपुर पश्चिम में सर्वाधिक 487 कार्रवाई दर्ज की गई। इसके बाद जयपुर ग्रामीण में 337, जयपुर यातायात में 294, चित्तौड़गढ़ में 289, धौलपुर में 276, बांसवाड़ा में 261, भीलवाड़ा में 250 तथा निवाड़ी में 249 कार्रवाई की गई।

वहीं ब्लैक फिल्म के विरुद्ध सर्वाधिक 186 कार्रवाई जयपुर यातायात में तथा नियम विरुद्ध नंबर प्लेट के सर्वाधिक 132-132 प्रकरण जयपुर पश्चिम और बारां में दर्ज किए गए। डीजी ट्रैफिक पालीवाल ने आमजन से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पूर्णतः पालन करें तथा वाहनों में किसी भी प्रकार की अवैध मॉडिफिकेशन, ब्लैक फिल्म, अनाधिकृत लाल-नीली बत्ती, फ्लैशर, प्रेशर हॉर्न एवं नियम विरुद्ध नंबर प्लेट का उपयोग नहीं करें। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने, अनुशासित यातायात व्यवस्था स्थापित करने तथा आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

चेन स्लैचिंग की वारदात करने वाले दो शातिर बदमाश गिरफ्तार

निस

जयपुर (नवयत्न)। राजधानी जयपुर में लगातार बढ़ रही चेन स्लैचिंग की वारदातों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम सीएसटी ने पंजाब के पटियाला से दो शातिर चेन स्लेचरों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रिंस उर्फ परमजीत और काका के रूप में हुई है। स्पेशल पुलिस कमिश्नर ओमप्रकाश ने बताया कि दोनों आरोपी शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिलाओं को निशाना बनाकर चेन स्लैचिंग की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने 9 जून को सोडाला थाना क्षेत्र में एक महिला की सोने की चेन तोड़ी थी। इसके बाद 10 जून को विधायकपुरी थाना क्षेत्र के पांच बत्ती इलाके तथा 11 जून को चांदपोल स्थित हनुमानजी मंदिर के बाहर भी चेन स्लैचिंग की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने 16 जून को एमआई रोड पर भी एक महिला को चेन छीनने का प्रयास किया था। लेकिन असफल रहने पर मौके से फरार हो गए थे। लगातार हो रही घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने विशेष अभियान शुरू किया। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर तंत्र से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपियों की पहचान की और उनका पीछा करते हुए पंजाब के पटियाला से दोनों को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल आरोपियों से सोडाला थाना पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार पूछताछ में शहर में हुई अन्य चेन स्लैचिंग की वारदातों के भी खुलासा होने की संभावना है। साथ ही आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य राज्यों में उनकी संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई स्पेशल सीपी ओमप्रकाश के निर्देशन एवं सुपरविजन में की गई। कमिश्नरेट पुलिस ने महिलाओं से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

सरावगी बने अग्रवाल सम्मेलन के जिलाध्यक्ष

निस

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर के सुशील सरावगी को अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन का चुरू जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन उत्तर पश्चिमी राजस्थान के अध्यक्ष ज्ञान ज्योति गुप्ता एवं महामंत्री घनश्याम गुप्ता ने सरावगी को जिलाध्यक्ष, रामकिशन गोरिसरिया रतनगढ़ को जिला महामंत्री एवं पवन पोद्दार सरदारशहर को जिला कोषाध्यक्ष नियुक्त किया है। सरावगी सहित अन्य की नियुक्ति पर समस्त चुरू जिले के अग्रवाल समाज मे खुशी का माहौल है। सरावगी ने अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बसंत मिश्र, राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नथुराम जैन, प्रदेश अध्यक्ष ज्ञान ज्योति गुप्ता, प्रदेश महामंत्री घनश्याम गुप्ता, प्रदेश मंत्री मुरारी अग्रवाल सुजानगढ़ एवं समस्त अग्रवाल समाज का आभार प्रकट किया है तथा अग्रवाल समाज के हितों के लिए सदैव समाज के साथ खड़े रहने की बात कही।



शिक्षा मंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

नवरतन वर्मा

रतनगढ़ (नवयत्न)। राजस्थान शिक्षक संघ उपशाख के तत्वाधान में शिक्षकों एवं विद्यालयों से संबंधित विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर उपशाखा अध्यक्ष भोजराज शर्मा, ब्लॉक मंत्री मुरलीधर अजमेरिया एवं सभाध्यक्ष रामचंद्र ऐचरा के नेतृत्व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समक्ष नारेबाजी कर विरोध दर्ज कराया गया व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के माध्यम से शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि पे प्रोटेक्शन के नाम पर शिक्षकों से की जा रही वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाए, ग्रीष्मकालीन अवकाश पूर्ववत रखा जाए, पोषाहार एवं ट्रांसपोर्ट वाउचर का लंबित भुगतान शीघ्र किया जाए, सभी विद्यालयों में पर्याप्त स्टाफ, बिजली, पानी एवं कक्षों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा विद्यालयों में नियमित सफाई कर्मचारी नियुक्त किए जाएं। ज्ञापन



में सभी संवर्गों के लिए स्थायी स्थानांतरण नीति लागू करने, एक अप्रैल 2026 तक की डीपीसी प्रक्रिया पूर्ण करने, नवक्रमांत्रत विद्यालयों में पदों की वित्तीय स्वीकृति जारी करने, वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्यता का न्यायसंगत समाधान करने, नव चयनित शारीरिक शिक्षकों के स्थायीकरण आदेश

जारी करने, आरजीएचएस योजना को निरंतर जारी रखने तथा सातवें वेतन आयोग की विकल्प तिथि में विशेष मामलों में संशोधन की छूट देने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। यदि शिक्षकों की जायज मांगों की अनदेखी जारी रही तो संगठन व्यापक एवं उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। इस अवसर पर प्रांतीय संयुक्त मंत्री शुभकरण नैन,

प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य चौधमल चीनिया, वरिष्ठ शिक्षक नेता खींवाराम ख्यालिया, जिला कार्यकारी अध्यक्ष सुरेंद्र सोगड़, जिला कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र हुड्डा, कार्यालय मंत्री मुकेश सैनी, भवरलाल जाट, नंदराम महला, रमेशचंद्र महला, सिराज अहमद, सतीश पुरोहित, रुपेश चौधरी सहित शिक्षक उपस्थित रहे.

80 लाख की लागत से ड्रेनेज का नवीनीकरण पूरा वर्षों पुरानी जलभराव समस्या का होगा स्थायी समाधान

निस

तारानगर (नवयत्न)। तारानगर नगरपालिका क्षेत्र के आधुना मोहल्ला स्थित दो नंबर ड्रेनेज का लगभग 80 लाख रुपये की लागत से नवीनीकरण पूरा हो गया है। भाजपा नेता राकेश जांगिड़ ने बुधवार को कार्य का अवलोकन कर संतोष जताया।



समस्या के स्थायी समाधान के लिए 300 एमएम व्यास की

पाइपलाइन और 100 एचपी व 75 एचपी की दो उच्च क्षमता वाली

मोर्टर स्थापित की गई हैं, जिससे बरसाती पानी की त्वरित निकासी हो सकेगी। जांगिड़ ने कहा कि इस कार्य से क्षेत्रवासियों को बड़ी राहत मिलेगी और बरसात में आवागमन सुचारू रहेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का आभार जताया।

इस अवसर पर उनके साथ नगरपालिका अधिशाषी अधिकारी अजयप्रताप सिंह व विद्युत विभाग सहायक अभियंता ओमप्रकाश, लखुसिंह शेखावत, त्रिशूलभाटी सहित पालिका व विद्युत विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

21 जून को आयोजित होगी नीट (यूजी) 2026 परीक्षा

निस

बीकानेर (नवयत्न)। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी नई दिल्ली द्वारा आयोजित नीट यूजी 2026 परीक्षा का आयोजन 21 जून 2026 को दोपहर 2 बजे से सायं 5:15 बजे तक जिले के निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर किया जाएगा। परीक्षा के सफल, निष्पक्ष एवं सुचारू संचालन के लिए अगले तक की गई तैयारियों की समीक्षा बुधवार को जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट निशान्त जैन ने की। जिला कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा केन्द्रों पर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, गोपनीय परीक्षा सामग्री के सुरक्षित वितरण एवं संग्रहण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँ। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी तथा अभ्यर्थियों की संख्या के अनुसार सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति की जाएगी। जिला कलेक्टर ने कहा कि परीक्षा से जुड़े अधिकारी-कर्मचारी, राष्ट्रीय



परीक्षा एजेंसी द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करें तथा उन्हें सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन अतिरिक्त गम्भीरता और जिम्मेदारी के साथ करें। उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से परीक्षा का

आयोजन हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है, इसमें किसी प्रकार की कमी नहीं रहे। बैठक में नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पलनीचामी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण बीएल मोणा सहित विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे।

उपमुख्यमंत्री ने किया पूर्व सैनिकों और समाजसेवियों का सम्मान

निस

जयपुर (नवयत्न)। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले पूर्व सैनिकों और समाजसेवियों को सम्मानित किया है। एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने पूर्व सैनिक, समाजसेवी एवं उत्थान सेवा संस्थान के अध्यक्ष कैप्टन शीशराम चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोगों को शॉल ओढ़ाकर उनकी सेवाओं का सम्मान किया। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने संस्थान द्वारा किए जा रहे समाजोपयोगी कार्यों की सराहना की और सभी को बधाई देते हुए भविष्य में भी इसी तरह सामाजिक सरोकारों से जुड़े रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर पूनिया ने उत्थान सेवा संस्थान द्वारा समाज हित



में चलाए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा वर्तमान में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की

जा रही है। आमजन के स्वास्थ्य लाभ के लिए निःशुल्क योग शिविर संचालित किए जा रहे हैं। प्रकृति के संतुलन के लिए पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में लगातार कार्य किया जा रहा है।

भारतनेट उद्यमी योजना : युवाओं को रोजगार से जोड़ रहा बीएसएनएल

हर्ष सोनी

झुंझुनू (नवयत्न)। प्रधानमंत्री के डिजिटल इंडिया एवं आत्मनिर्भर भारत के सपनों को साकार करने हेतु भारत संचार निगम लिमिटेड ग्रामीण भारत में डिजिटल क्रांति को मजबूत करने के लिए युवाओं, छात्रों एवं बेरोजगारों को स्वरोजगार से जोड़ रहा है। बीएसएनएल द्वारा युवाओं को स्वरोजगार एवं आय अर्जित करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है, जिसमें बहुत कम निवेश के साथ स्वदेशी कंपनी बीएसएनएल के साथ जुड़कर अच्छी कमाई कर सकते हैं। इसके लिए इच्छुक झुंझुनू जिले को तकनीकी रूप से ग्राम पंचायत क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं। इसके आवेदन हेतु आधार कार्ड, पैन कार्ड, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग पंजीकरण, वस्तु एवं सेवा कर पंजीकरण दस्तावेज एवं 500 रुपये सुरक्षा राशि जमा की जाएगी। प्रत्येक नए कनेक्शन पर आवेदक को प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। इसके अतिरिक्त प्रत्येक सक्रिय कनेक्शन पर ग्राहक द्वारा प्रति माह जमा किए गए बिल राशि का लगभग 50 प्रतिशत तक कमीशन भी प्रतिमाह प्रदान किया जाएगा। झुंझुनू के प्रधान महाप्रबंधक पवन कुमार खत्री ने बताया कि भारत नेट उद्यमी ग्रामीण डिजिटल कनेक्टिविटी की रीढ़ बनेंगे, इससे इंटरनेट का विस्तार होगा, स्थानीय उद्यमिता को भी बढ़ावा मिलेगा। पवन कुमार खत्री ने बताया कि बीएसएनएल सभी ब्लॉकों में भारत नेट परियोजना का संचालन और रखरखाव कर रहा है।

झुंझुनू के सभी ब्लॉक में ऑप्टिकल फाइबर बिछा कर सभी ग्राम पंचायतों को जोड़ा जा रहा है। ग्रामीण इलाकों में फाइबर कनेक्शन भी उपलब्ध कराये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि योजना में स्थानीय उद्यमियों, केबल ऑपरेटर, स्टार्टअप, स्वयं सहायता समूह, तकनीकी युवाओं एवं फर्मों को बहुत कम निवेश पर ऑनलाइन माध्यम से भारत नेट उद्यमी बनाया जा रहा है। बीएसएनएल इन उद्यमियों को तकनीकी प्रशिक्षण देकर बेहतर राजस्व साझेदारी मॉडल उपलब्ध करा रहा है और प्रोत्साहन सुविधा भी दे रहा है। बीएसएनएल आमजन से अपील करता है कि किसी भी भ्रामक जानकारी अथवा किसी अनजान व्यक्ति/संस्था के बहकावे में आकर पैसों का लेनदेन न करें। बीएसएनएल ऐसी किसी भी गतिविधि के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। अधिकृत एवं सही जानकारी हेतु अपने स्थानीय बीएसएनएल कार्यालय अथवा उपभोक्ता सेवा केंद्रों पर संपर्क करें। यह पहल ग्रामीण क्षेत्रों में हाई स्पीड इंटरनेट, भारत फाइबर एवं डिजिटल सेवाओं के विस्तार के साथ स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

अधिक मास के समापन पर की गौसेवा



निस

सुजानगढ़ (नवयत्न)। अधिक मास के समापन के अवसर पर श्री अग्रवाल महिला सम्मेलन द्वारा गोपाल गौशाला में गायों को हरा चारा व सब्जियां खिलाई गईं। महिला सम्मेलन की अध्यक्ष बबोता मंगलूनिया ने बताया कि गोवंश के लिए 200 किलो हरा चारा, सब्जियां, खल, गुड़ व पानी की व्यवस्था की गई। इसी के साथ महिला सम्मेलन की सदस्यों द्वारा संरक्षक मीरा गुप्ता के निर्देशन में गौशाला परिसर में अनेक प्रकार के पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मंत्री सुमन मिरनका ने इसे प्रेरणादायक व पर्यावरण अनुकूल पहल बताते हुए कहा कि हम आगे भी बारिश के मौसम में अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण का कार्य करेंगे। इस पूरे प्रकल्प में किरण कंदौड़ी, अनु तोदी, सुमन जाजोदिया, प्रियंका गोयनका, मोनिका शोभासरिया, सुमन खेतान, प्रियंका अग्रवाल, अंजू जालान, विजयलक्ष्मी बगड़िया, ऊषा मोदी, शिल्पा गुप्ता सभी ने पूर्ण उत्साह के साथ भाग लिया।

बिजली का खम्भा बड़े हादसे का दे रहा बुलावा

निस

पिलानी (नवयत्न)। पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर 23 मुंदड़ा स्कूल के पास स्थित बिरला पब्लिक स्कूल पिलानी सीनियर विभाग के खेल मैदान की बनी दीवार व पालिका द्वारा निर्मित गंदे नाले में लगा विद्युत विभाग द्वारा बिजली का खम्भा एक बड़े हादसे को बुलावा दे रहा है। यहां लगा ये बिजली का खम्भा पूरी तरह टेढ़ा हो रहा है तथा किसी भी वक्त तेज आंधी-तूफान के कारण आम रास्ते में टूट कर गिर सकता है तथा एक बड़ा हादसा होने की सम्भावना हर दम बनी हुई है। समय रहते अगर विद्युत विभाग द्वारा इस खम्भे को बदला नहीं गया तो एक बड़ा हादसा हो सकता है। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी विद्युत विभाग व जिला प्रशासन की होगी।



छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप एक ही काल में होते तो भारत का इतिहास कुछ और होता-राज्यपाल

जयपुर।

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने महाराणा प्रताप जयंती पर बुधवार को क्षत्रिय समाज की प्रतिभाओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और महाराणा प्रताप एक ही काल में होते तो भारत का इतिहास कुछ और होता। उन्होंने कहा कि दोनों ने ही मुगल आक्रांताओं को अपनी वीरता, साहस और शौर्य से उनके इरादों में नाकाम किया। राज्यपाल ने कहा कि हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप ने मुगल सेना को हतोत्साहित किया और बाद में सुनियोजित हमला करके दिवेर के युद्ध में अकबर की सेना से आत्मसमर्पण करवाया। महाराणा प्रताप देश के पहले ऐसे स्वाधीनता सेनानी थे जिन्होंने मातृभूमि के लिए निरंतर लड़ाईयाँ लड़ी और अदम्य साहस और वीरता का परिचय देते हुए हमें गौरवान्वित किया। राज्यपाल ने कहा कि अकबर ने सीधे महाराणा प्रताप से युद्ध नहीं किया बल्कि राजा मानसिंह को युद्ध



के लिए भेजा। महाराणा प्रताप की सेना बीस हजार के लगभग थी और अकबर की सेना एक लाख के करीब थी। चार गुना सेना अधिक होने के बावजूद महाराणा प्रताप ने अदम्य साहस का परिचय दिखाते हुए इस युद्ध में मुगल सेना को धूल चटाई। श्री बागडे बुधवार को भारतीय क्षत्रिय महासंघ द्वारा महाराणा प्रताप जयंती पर आयोजित सम्मान समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ गौरवमय धरा रही है। यह भक्ति और शक्ति की धरती है। यही वह धरती है जहां पर बप्पा रावल जैसे महान प्राणी हुए। बप्पा रावल ने अरबों को भारत से खदेड़ा। इसके बाद पूरे सौ साल तक वह भारत की ओर झांक नहीं सके थे। उन्होंने महाराणा सांगा, पन्ना धाय आदि को स्मरण करते हुए कहा कि भारत के सच्चे इतिहास की नई पीढ़ी को जानकारी मिलनी चाहिए। इसके लिए उन्होंने नई शिक्षा नीति में भारतीय ज्ञान परम्परा और बच्चों की बौद्धिक क्षमता बढ़ाने का आह्वाण किया।



ब्लैकहेड्स हटाने के लिए करते हैं ब्लैकहेड रिमूवर का इस्तेमाल तो ध्यान रखें ये बातें, वर्ना हो सकता है नुकसान

ब्लैकहेड्स वैसे तो एक आम समस्या है, लेकिन यह आपके चेहरे की शोभा बिगाड़ने के लिए काफी है। आमतौर पर यह चेहरे की साफ सफाई ठीक तरह से न करने या फिर ब्यूटी प्रोडक्ट्स का अधिक इस्तेमाल करने के कारण होने वाली समस्या है। जो चेहरे पर होने से नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता है। मूल रूप से त्वचा के भीतर होने वाले छोटे छोटे रोम छिद्रों को ही ब्लैकहेड्स के नाम से जाना जाता है। इन छोटे छोटे आकार के रोम छिद्रों में अक्सर डेड सेल्स और ऑयल का जमाव हो जाता है, जो आपके ब्लैकहेड्स की समस्या को और बढ़ा सकते हैं। ब्लैकहेड्स को हटाने के लिए वैसे तो बहुत से घरेलू नुस्खे मौजूद हैं। लेकिन कभी कभी जब घरेलू नुस्खे कामगर साबित नहीं होते हैं, ब्लैकहेड्स को निकालने के लिए ब्लैकहेड रिमूवर की आवश्यकता भी पड़ती है।

चेहरे को गर्म पानी से धोएं : ब्लैकहेड्स से निजात पाने के लिए आप ब्लैकहेड रिमूवर का इस्तेमाल करने से पहले अपने चेहरे को गर्म या फिर गुनगुने पानी से धोएं। ऐसा इसलिए क्योंकि सभी ब्लैकहेड्स का आकार सामान्य नहीं होता है। कुछ ब्लैकहेड्स ऐसे भी होते हैं, जो चेहरे की गहराई में छिपे होते हैं। इन्हें निकालने के लिए अपने चेहरे के रोम छिद्रों यानि पोर्स को खोलना बेहद जरूरी है। इसलिए गर्म पानी से चेहरा धोने से आपके पोर्स खुल जाते हैं, जिसके बाद रिमूवर चलाने में की समस्या नहीं होती है। बेहतर परिणाम के लिए आप स्टीम भी ले सकते हैं। हालांकि कम ब्लैकहेड्स वालों को गर्म पानी से मुंह धोने पर भी फायदा मिलता है। ऐसा करने से आप सेप्टी के साथ इसे निकाल सकते हैं।

हल्के हाथों से बनाएं दबाव : ब्लैकहेड्स का इस्तेमाल करते समय हाथों को हमेशा हल्के हाथों से ही ग्राइें। कई बार बहुत सी महिलाएं रिमूवर तेज चलाती हैं, जिससे त्वचा कटने के



खतरे के साथ ही संक्रमण का भी अधिक खतरा रहता है। एक बार ब्लैकहेड्स निकालने के बाद दोबारा से हल्के हाथों का प्रयोग करें। जल्दबाजी में रिमूवर इस्तेमाल करन से त्वचा के साथ ही ब्लैकहेड वाला हिस्सा भी प्रभावित हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि रिमूवर को आराम से ही इस्तेमाल करें। खासतौर पर स्टील के रिमूवर से संक्रमण फैलने का खतरा अधिक रहता है। गर्म पानी से मुंह धोने के बाद आपके पोर्स खुले होते हैं, जो आसानी से ही ब्लैकहेड्स हटा देते हैं। इसलिए इसमें जोर लगाने की जरूरत नहीं है।

गर्म पानी से साफ करें रिमूवर : ब्लैकहेड रिमूवर का इस्तेमाल करने से पहले रिमूवर की स्वच्छता का पता लगाना बेहद जरूरी है। ब्लैकहेड रिमूवर अगर गंदा है तो यह आपको त्वचा का संक्रमण दे सकता है। त्वचा के लिए कारगर उपकरण माना जाने वाला यह रिमूवर आपके पोर्स के हिस्से को प्रभावित करने के

साथ ही पोर्स में संक्रमण भी पैदा कर सकता है। रिमूवर का इस्तेमाल करते समय यह भी देखना जरूरी है कि इसका इस्तेमाल आपसे पहले किसी ने न किया हो। अगर ऐसा है तो उस रिमूवर का इस्तेमाल न करें। बेहतर होगा जब भी आप रिमूवर का इस्तेमाल करें उसे सबसे पहले गर्म पानी में डाल दें या धो लें।

नाखून का इस्तेमाल न करें : खुले हुए पोर्स में नाखून लगाकर ब्लैकहेड्स को निकालने की कोशिश आपको नुकसान पहुंचा सकती है। इससे आपके नाखून में लगे बैक्टीरिया आपके पोर्स में फैलकर संक्रमण का कारण बन सकते हैं।

साथ ही बैक्टीरिया आपके पोर्स के जरिए चेहरे के अन्य हिस्सों में भी पहुंचकर नुकसान पहुंचा सकते हैं। या फिर आपके पोर्स में लगे बैक्टीरिया आपके नाखून के जरिए त्वचा पर फैल सकते हैं।

छोटे बच्चों को क्यों लग जाती है स्मार्टफोन की लत

छोटे बच्चों के हाथ में फोन एक बार दे दो तो वे छोड़ने के नाम नहीं लेते। अगर आप जबरदस्ती उनसे छीनेंगे तो रो से कर वे पूरा घर भर देंगे। लेकिन क्या कभी आपने सोचा है कि इन बच्चों में फोन चलाने की यह आदत क्यों हो जाती है या वे फोन की तरफ इतने अद्वैत क्यों होते हैं। आजकल कामकाजी माता पिता हैं तो ऐसे में वे काम में व्यस्त रहते हैं। वे बच्चों को फोन देकर खुद के लिए समय निकालते हैं। उन्हें लगता है कि बच्चा फोन में व्यस्त रहेगा तो इतनी देर उन्हें वो परेशान नहीं करेगा। माता-पिता की यह सीख बच्चों पर और माता-पिता पर दोनों पर भारी पड़ जाती है।



इन कारणों से लगती है बच्चों को फोन की लत

- कई बार छोटा बच्चा जब रोता है तो माता-पिता उसे चुप कराने के लिए फोन पकड़ा देते हैं। बच्चा फोन की लाइट देखकर उससे अट्रैक्ट होता है और रोना चुप हो जाता है। धीरे-धीरे यह आदत बच्चे की लत बन जाती है। फिर जब उसे फोन नहीं दिया जाता तो वह रोने लग जाता है।
- बहुत बार माता-पिता अपने छोटे बच्चे को फोन चलाने के लिए इसलिए देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि वो अभी फोन चलाकर तेज हो जाएगा। बाकी बच्चों से होशियार होगा। नई तकनीक को जानने वाला होगा। लेकिन इतनी कम उम्र में जब बच्चे को अपने बारे में कुछ मालूम ही नहीं है तो वो क्या नई तकनीक को जानेगा। इससे सिर्फ उसको नुकसान होगा।
- बहुत बार माता पिता बच्चे से पीछा छुड़ाने के लिए भी उसे फोन पकड़ा देते हैं। जब पेरेंट्स के पास बहुत काम होता है तब वे बच्चे को

फोन पकड़ा देते हैं। और बच्चा फोन में मस्त हो जाता है। कुछ समय बाद वह फोन में इतना मशगूल हो जाता है कि उसे माता पिता की भी चाहत नहीं रहती। वो अकेले में ही खुश रहता है।

- कई बार बच्चा किसी बात की जिद पकड़ लेता है। या खाना नहीं खाता या कोई और काम नहीं करता, तब भी माता पिता बच्चे को फोन से बहलाते हैं। उसे फोन खेलने के लिए दे देते हैं। ऐसे में बच्चे को फोन की आदत पड़ जाती है। और फिर वह आदत जल्दी छूटती नहीं है।
- कई बार माता-पिता बच्चे को पढ़ाई लिखाई के सिलसिले में भी फोन चलाने देते हैं।
- वे उसमें बच्चों की कहानियां, एजुकेशनल कार्टून दिखाते हैं, ताकि बच्चे की भाषा का विकास हो। इस तरह से भी बच्चे को फोन देखने की आदत पड़ जाती है।

धार्मिक महत्व ही नहीं, केले के पत्ते पर खाना खाने से मिलते हैं ये फायदे

आपने साउथ इंडिया में लोगों को केले के पत्ते पर खाना खाते हुए देखा होगा। वहीं, कई रेस्टोरेंट्स भी केले के पत्ते पर साउथ इंडियन फूड्स परोसते हैं।

डाइजेशन सिस्टम के लिए : केले का पत्ता प्लांट-बेस्ड कंपाउंड, पॉलीफर्नॉलस से पूर्ण होता है। पॉलीफर्नॉलस नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं जोकि शरीर में मौजूद प्रो-रेडिकल्स और दूसरी बीमारियों से सुरक्षा प्रदान करने का काम करते हैं। एक ओर जहां केले की पत्ती यों को सीधे तौर पर पचना संभव नहीं है। वहीं, केले के पत्ते में रखे खाद्य पदार्थ इससे पॉलीफर्नॉलस को अवशोषित कर लेते हैं। इससे शरीर को इन ऑक्सीडेंट्स का फायदा भी मिल जाता है।

खाने का स्वाद बढ़ता है : केले की पत्तियों पर मोम के जैसी एक ऊपरी परत होती है। हालांकि, ये परत बहुत पतली होती है लेकिन



इसका स्वाद बहुत अलग होता है। जब गर्म खाना केले के पत्ते पर परोसा जाता है, तो ये मोम पिघलकर खाने में मिल जाती है। जिससे खाने का स्वाद और बढ़ जाता है।

इको फ्रेंडली भी है : केले के पत्ते खाना खाना पर्यावरण सुरक्षा के लिहाज से एक सार्वकं पहल है। आमतौर पर लोग भोज या फिर किसी समारोह में प्लास्टिक्स या स्टीरोफोम के प्लेट्स का इस्तेमाल करते हैं। इस्तेमाल के बाद इन्हें यू

कैसे छुड़ाएं बच्चे की फोन देखने की लत

- 5 से 6 महीने का बच्चा भी फोन से प्रभावित होता है। बहुत कम उम्र से बच्चे में फोन की लत से उसके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर असर पड़ता है।
- पहले जब बच्चे रोते थे तो माता-पिता बजने वाला खिलौना उन्हें पकड़ा देते थे, लेकिन अब फोन देते हैं। अगर आपको अपने बच्चे की फोन की लत छुड़ानी है तो उसे हाथों में खिलौना दें। अगर वह रो रहा है तो उसे चुप कराने की कोशिश करें। कहीं छत या बाहर ले जाए। आसमान दिखाएं। चांद दिखाएं। तारे दिखाएं। इनसे बच्चे प्रभावित होते हैं।
- बच्चे के सामने फोन का इस्तेमाल कम से कम करें।
- व्यस्त जिंदगी में से थोड़ा समय बच्चों के लिए निकालें। उन्हें प्यार से समझाएं।
- दादी नानी का तरीका अपनाएं। बच्चा जब फोन की जिद करे तो उसे बातों से बहलाएं। उसे कहानियां सुनाएं।

गिलोय का सेवन करने के फायदे

आयुर्वेद में गिलोय का अमृता कहा जाता है और सदियों से इसका इस्तेमाल बुखार, सर्दी-खांसी आदि को ठीक करने के लिए किया जा रहा है। जहां तक आम लोगों के बीच गिलोय की लोकप्रियता की बात है तो कोरोना ने इसे घर-घर में पॉप्युलर बना दिया है और अब इम्युनिटी बूस्ट करने के लिए लोग गिलोय के काढ़े से लेकर, जूस और गोलियों तक का सेवन कर रहे हैं। आयुर्वेद के जानकारों के अनुसार, पान के पत्ते की तरह दिखने वाले गिलोय की पत्तियों में कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में होता है। जबकि इसके तने में स्टार्च की अधिकता होती है। आयुर्वेद एक्सपर्ट्स के अनुसार, गिलोय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही कई बीमारियों से भी बचाव करता है।

बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ता है : अमृता यानी गिलोय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जाना जाता है, तभी तो कोरोना काल में गिलोय की मांग बहुत अधिक बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह वायरस से होने वाली बीमारियों से शरीर को बचाता है और सर्दी-जुकाम से बचाने में भी कारगर है क्योंकि इसकी तासीर बहुत गर्म होती है। बुखार में भी इसके सेवन की सलाह दी जाती है।

ब्लड प्लेटलेट्स बढ़ाता है : डँगू होने पर ब्लड प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगते हैं ऐसे में आयुर्वेद विशेषज्ञ मरीजों को गिलोय के सेवन की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ने लगते हैं। गिलोय के हरे तने को काटकर अच्छी तरह साफ करने के बाद इसे पानी में करीब आधे घंटे तक उबाला जाता है और जब पानी का रंग हरा हो जाए तो इस पानी को छानकर मरीज को दें। दरअसल, गिलोय में एंटीपायरेटिक तत्व होता है जो डँगू के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है और इससे इम्युनिटी भी बढ़ती है जिससे मरीज जल्दी ठीक हो जाता है।

जॉन्डिस में फायदेमंद : गिलोय न सिर्फ



बुखार और सर्दी-खांसी, बल्कि जॉन्डिस यानी पीलिया के मरीजों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद के जानकारों का मानना है कि गिलोय के पत्तों का रस पीने से पीलिया के मरीजों को आराम मिलया है और इसकी वजह से होने वाला बुखार और दर्द भी कम होता है।

पाचन को दुरुस्त रखता है : यदि आप अक्सर पेट से जुड़ी बीमारियां से परेशान रहते हैं, तो गिलोय का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि इसके नियमित सेवन से कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है और पाचन तंत्र ठीक तरह से काम करता है।

एनीमिया में फायदेमंद : आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक, जिन लोगों को खून की कमी होती है उन्हें भी गिलोय का सेवन करना चाहिए, क्योंकि गिलोय में ग्लूकोसाइड और टीनोस्पोरिन, पामेरिन और टीनोस्पोरिक एसिड की मात्रा अधिक होती है जो शरीर में खून को कमी दूर करने में मददगार है।

पाचन शक्ति बढ़ाने में मदद करेंगे यह घरेलू उपाय

आपने अक्सर डॉक्टर्स या हेल्थ एक्सपर्ट्स को कहते सुना होगा कि आपका पेट जितना स्वस्थ रहेगा, उतना ही सेहतमंद रहेगे। ऐसा माना जाता है कि संपूर्ण स्वास्थ्य की भलाई आपके पेट के स्वास्थ्य पर निर्भर करती है। इसलिए अपने पेट, आंत और पाचन तंत्र का ख्याल रखना बहुत जरूरी है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग अपने खराब खानपान और जीवनशैली की आदतों के चलते खराब पावन से जुड़ी समस्याओं का सामना आए दिन करते हैं, जिसमें पेट में दर्द, सूजन, ब्लोटिंग, गैस, एसिडिटी, अपच और कब्ज जैसी समस्याएं सबसे आम हैं। अगर लंबे समय तक ये समस्याएं बनी रहती हैं, तो इससे कई अन्य गंभीर समस्याओं का जोखिम बढ़ता है। बवासीर जैसी समस्याओं के लिए कमजोर पावन एक बड़ा कारण है।



भोजन को अच्छी तरह चबाएं

पाचन तंत्र को मजबूत बनाने का सबसे आसान उपाय है, आप जो कुछ भी खाते हैं उसे अच्छी तरह चबा-चबा कर खाएं। हेल्थ एक्सपर्ट्स की मांें आपका भोजन आधे से ज्यादा आपके मुंह में ही पचने योग्य हो जाता है। आप जितना अच्छी तरह और धीरे-धीरे भोजन को चबाते हैं तो उसमें लार अच्छी तरह मिल जाती है। जो भोजन के बेहतर पाचन में सहायता करती है और पाचन को मजबूत बनाती है, क्योंकि हमारी लार में पाचन एंजाइम होते हैं।

गर्म पानी से दिन की शुरुआत करें

अगर आप सुबह गुनगुने पानी से दिन की शुरुआत करते हैं, तो यह न सिर्फ आपकी पाचन क्रिया को मजबूत बनाने में मदद करता है, बल्कि टॉक्सिन्स को बाहर निकालने में भी मदद करता है। यह अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने में बहुत सहायक है। आप चाहे तो जीरे के पानी में शहद और नींबू का रस मिलाकर भी सेवन कर सकते हैं, इससे बहुत लाभ मिलेगा।

फाइबर रिव फूड्स का सेवन करें

कोशिश करें कि आप फाइबर से भरपूर फूड्स जरूर खाएं, क्योंकि फाइबर आपके पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए बहुत जरूरी है। यह पेट संबंधी समस्याओं से छुटकारा दिलाने में भी मदद करता है। ड्राई फ्रूट्स, नट्स, बीज, साबुत अनाज, दाल, सोयाबीन, रासमा, छोले आदि में फाइबर अच्छी मात्रा में होता है।

लंब में दही या छाछ पिएं

दही और छाछ दोनों ही बेहतरान प्रोबायोटिक्स में से एक है। प्रोबायोटिक्स आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने में मदद करते हैं और पाचन शक्ति को बढ़ाते हैं। यह मेटाबॉलिज्म को तेज करने में भी मददगार हैं। इसलिए आपको दोपहर के भोजन के साथ में दही या छाछ का सेवन जरूर करना चाहिए।

हर्बल चाय पिएं

पाचन शक्ति को मजबूत बनाने के लिए आप पुदीना, अजवाइन, जीरा, दालचीनी, कैमोमाइल टी, ग्रीन टी आदि जैसी हर्बल चाय के साथ दिन की शुरुआत कर सकते हैं। आप चाहे तो इनका सेवन भोजन के बाद भी कर सकते हैं। ये हर्बल चाय पाचन शक्ति को बढ़ाने और भोजन के बेहतर पाचन में सहायता करती हैं।

बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए उनकी लाइफस्टाइल में करें यह बदलाव

पेरेंट्स को अक्सर इस बात की चिंता लगी रहती है कि उनके बच्चे की हाइट अच्छी हो। कई बार बच्चों का शारीरिक विकास ठीक से नहीं होने के कारण उनकी हाइट ठीक से नहीं बढ़ पाती। हाइट न बढ़ने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जैसे- पोषण की कमी, गलत लाइफस्टाइल, खेल-कूद में कमी आदि। अगर सही समय से बच्चे की हाइट न बढ़े, तो ये बातपेरेंट्स को काफी परेशान करती है। लेकिन लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करके बच्चों की हाइट बढ़ाने में मदद की जा सकती है।

लटकना है जरूरी : बच्चों की हाइट बढ़ाने के लिए सुबह और शाम बच्चे को लटकने के लिए प्रेरित करें। लटकने से पीठ की मांसपेशियों को मजबूती मिलती है और इनमें खिंचाव आता है, जो हाइट बढ़ाने में मददगार हो सकता है। रोज लटकने से रीढ़ की हड्डी सीधी रहती है। बच्चों के लटकते समय उनके आसपास ही रहें। ध्यान रखें जब वह लटकें तो उन्हें चोट न लगे।

योगासन कराएं : योग करने से शरीर स्वस्थ बनता है। बच्चे अगर नियमित रूप से सूर्य नमस्कार, त्रिकोणासन, ताड़ासन और वृक्षसन आदि करते हैं, तो उनकी हाइट बढ़ने में मदद मिलती है। बच्चों का ऐसा रूटीन सेट करें कि वह सुबह और शाम योग के लिए टाइम निकाल सकें। कोशिश करें आप भी बच्चों के साथ योग करें। इससे बच्चों में योग की प्रति रूचि पैदा करने में मदद मिलेगी। आप बच्चे के साथ पार्क में जाकर गुप योग भी कर सकते हैं। ऐसा करने से बच्चे को योग करने मे मन लगेगा।

फल और ड्राई फ्रूट्स खिलाएं : बच्चों की हाइट तभी सही से बढ़ेगी, जब उनका इम्यून सिस्टम मजबूत होगा। इम्यून सिस्टम मजबूत होने से बच्चे कम बीमार पड़ेंगे और उनका विकास सही गति से होगा। बच्चे के इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए बच्चों के आहार में विटामिन सी की मात्रा बढ़ाएं। इसके लिए

बच्चे को फल खिलाएं, साथ ही उनके आहार में ड्राई फ्रूट्स को शामिल करें।

बच्चों को आउटडोर एक्टिविटी करावां : अपने बच्चे को खेलकूद के लिए खूब प्रेरित करें। बच्चों को साइकिल चलाने, फुटबॉल खेलने, बास्केटबॉल खेलने, रस्सी कूदने और बैडमिंटन खेलने जैसी एक्टिविटीज के लिए बाहर भेजें। ये सभी एक्टिविटीज बच्चों की हाइट बढ़ने में मददगार होने के साथ उन्हें सोशल होने में भी मदद करेंगी। इन एक्टिविटीज की रेगुलर करने से बच्चे मोटापे का शिकार भी नहीं होंगे।

नींद : बच्चे के संपूर्ण विकास के लिए पर्याप्त नींद लेना भी आवश्यक है। बच्चों को दिनभर में 10 से 12 घंटे अवश्य सुलाना चाहिए। बच्चे की नींद पूरी कराने के लिए उसे रात को समय पर सुलाने के साथ दिन में भी थोड़ी देर के लिए जरूर सुलाएं। शरीर के विकास की ज्यादातर प्रक्रियाएं सोने के दौरान ही होती हैं।





पालिका की मानसून से पहल विशेष तैयारी, नालों की सफाई अभियान तेज



निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी नगरपालिका ने आगामी मानसून को देखते हुए कस्बे में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए विशेष तैयारी शुरू कर दी है। नगर क्षेत्र में प्रमुख नालों और नालियों की सफाई का कार्य कराया जा रहा है ताकि बरसात के दौरान पानी की निकासी सुचारु रूप से हो सके और आमजन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। नगरपालिका अधिशासी अधिकारी नागरमल गुर्जर एवं एसआई सुनील सैनी ने सफाई अभियान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए नालों की सफाई कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर सफाई व्यवस्था की समीक्षा की और जल निकासी से संबंधित संभावित समस्याओं की जानकारी भी ली। ईओ नागरमल गुर्जर ने बताया कि मानसून के दौरान जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए नगरपालिका द्वारा पहले से ही व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। शहर के मुख्य नालों, नालियों और जल निकासी मार्गों से कचरा एवं गाद हटाने का कार्य लगातार जारी है।

जहां-जहां पानी भरने की संभावना रहती है, उन स्थानों को चिन्हित कर विशेष निगरानी रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका का उद्देश्य आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। बारिश के समय सड़कों और आवासीय क्षेत्रों में पानी जमा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। वहीं एसआई सुनील सैनी ने बताया कि सफाई अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा और मानसून शुरू होने से पहले सभी प्रमुख नालों की सफाई पूरी कर ली जाएगी। नगरपालिका की इस पहल से शहरवासियों को आगामी बरसात में जलभराव की समस्या से काफी हद तक राहत मिलने की उम्मीद है। इसके अलावा नगरपालिका ने निराश्रित पशुओं को नंदीशाला भेजने का अभियान चलाकर हिसक पशुओं को शहर से दूर किया जा रहा है।

महाराणा प्रताप जयंती समारोह आयोजित



निसं

खेतड़ी (नवयत्न)। खेतड़ी उपखंड के मीनावाली ढाणी में महाराणा प्रताप जयंती 486वीं समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह फौजी थे जबकि अध्यक्षता सुरेश शास्त्री ने की। कार्यक्रम के दौरान सर्वप्रथम अतिथियों ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। कार्यक्रम में सुरेंद्र सिंह फौजी ने कहा कि महापुरुषों ने त्याग एवं बलिदान से शौर्य की गाथा लिखी थी। आज भी महापुरुषों के जीवन में अनेक प्रकार के उदाहरण उनके बलिदान और त्याग के देखने को मिल जायेंगे। मातृभूमि के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले महापुरुषों ने देश को आगे बढ़ने के लिए प्रेरणा दी थी। ऐसे महापुरुषों को याद करके युवाओं को उनके शौर्य से अवगत कराना चाहिए। वहीं युवाओं को भी हमारे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर उनके आदर्शों पर चलने का चाहिए। भारत की आजादी में सुभाष चंद्र बोस, महाराणा प्रताप, शिवाजी राव, रानी लक्ष्मीबाई, शाहीद भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद सहित अनेक महापुरुषों ने अहम भूमिका निभाई। जिन्होंने देश के नागरिकों को बेहतर जीवन देने के लिए अपने जीवन का बलिदान दे दिया था। इस दौरान युवाओं ने महाराणा प्रताप अमर रहे का नारा लगाते हुए उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनको याद किया। इस दौरान युवाओं से उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस मौके पर शीशाराम सिंह, गिरवार सिंह, विक्रम सिंह बनियाल, प्रदीप सिंह, देवी सिंह, बनवारी लाल सेन, डॉ दलीप, आदित्य सिंह, मनोहर सैनी मौजूद रहे।

उप जिला अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर के पद स्वीकृत

आमजन को मिल पाएगी बेहतर चिकित्सा सुविधा

खेतड़ी (नवयत्न)। राज्य सरकार के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने खेतड़ी उप जिला अस्पताल में प्रस्तावित ट्रॉमा सेंटर के संचालन के लिए विभिन्न पदों की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस निर्णय से क्षेत्र के लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाएं बेहतर ढंग से उपलब्ध हो सकेगी तथा गंभीर दुर्घटनाओं और अन्य आपात स्थितियों में मरीजों को समय पर उपचार मिल सकेगा। राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए आदेश के अनुसार ट्रॉमा सेंटर के लिए एकल 16 नए पदों का सृजन किया गया है। इनमें एक कनिष्ठ विशेष सर्जरी, दो चिकित्सा अधिकारी (स्नातकोत्तर सर्जरी), तीन चिकित्सा अधिकारी (स्नातकोत्तर हड्डी) तथा दस नर्सिंग अधिकारी शामिल हैं। इन पदों पर नियुक्तियां होने के बाद ट्रॉमा सेंटर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी और मरीजों को बेहतर उपचार मिल सकेगा। राज्य सरकार द्वारा ट्रॉमा सेंटर के भवन निर्माण और आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए भी बजट स्वीकृत किया गया है। इससे आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से युक्त ट्रॉमा सेंटर विकसित किया जा सकेगा। वर्तमान में गंभीर रूप से घायल मरीजों को उच्च चिकित्सा संस्थानों में रेफर करना पड़ता है लेकिन ट्रॉमा सेंटर शुरू होने के बाद कई मामलों का उपचार स्थानीय स्तर पर ही संभव हो सकेगा। क्षेत्र के लोगों ने लंबे समय से खेतड़ी में ट्रॉमा सेंटर की मांग उठाई थी। पदों की स्वीकृति मिलने के बाद आमजन में खुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों का मानना है कि इससे सड़क दुर्घटनाओं, औद्योगिक हादसों और अन्य आपात स्थितियों में मरीजों को त्वरित चिकित्सा सहायता मिलेगी तथा जीवन बचाने में मदद मिलेगी। चिकित्सा विशेषज्ञों की नियुक्ति और आधुनिक संसाधनों की उपलब्धता के साथ खेतड़ी उप जिला अस्पताल क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। इससे आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के हजारों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। वर्तमान समय में ट्रॉमा सेंटर नहीं होने से लोगों को झुंझुनू, जयपुर सहित अन्य स्थानों पर भटकना पड़ रहा था लेकिन अब खेतड़ी में ही बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया करवाई जाएगी।



धन्वन्तरि उपवन में हुआ सामूहिक योगाभ्यास

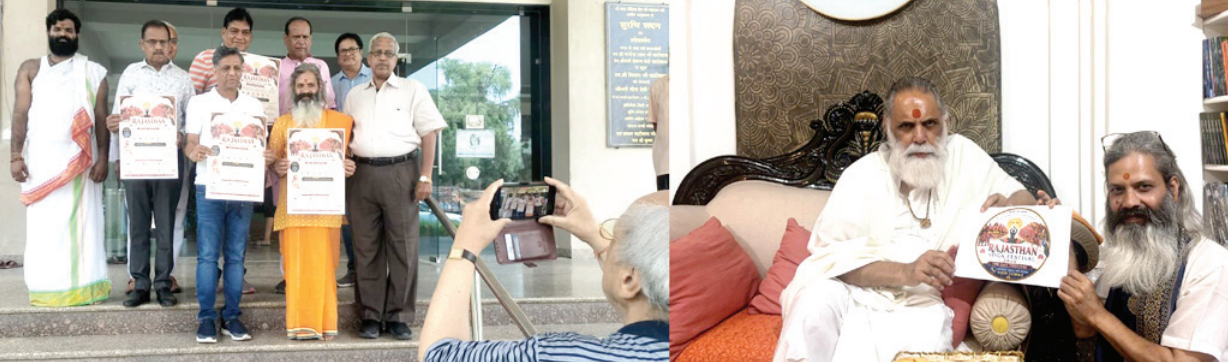
निसं

जयपुर (नवयत्न)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 के उपलक्ष्य में आयुष मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान एनआईए जयपुर द्वारा बुधवार सुबह धन्वन्तरि उपवन जगगा की बावड़ी स्थित संस्थान परिसर में भव्य सामूहिक योग प्रोटोकॉल अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन को योग के माध्यम से बेहतर स्वास्थ्य, निरोगी जीवन एवं स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना रहा। बुधवार प्रातः 5:30 बजे आयोजित इस विशेष योग

सत्र में संस्थान के चिकित्सकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों सहित 500 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। हरियाली और प्राकृतिक वातावरण से आच्छादित धन्वन्तरि उपवन योग साधना का केंद्र बन गया, जहां प्रतिभागियों ने स्वास्थ्य, अनुशासन और सामूहिक चेतना का संदेश दिया। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान के कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परंपरा का अमूल्य उपहार है जो व्यक्ति के जीवन को संतुलित, स्वस्थ और सकारात्मक बनाता है।

उन्होंने कहा कि प्राकृतिक वातावरण में योगाभ्यास करने से मन, शरीर और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित होता है तथा व्यक्ति दीर्घकाल तक स्वस्थ और ऊर्जावान बना रहता है। नियमित योगाभ्यास मानसिक, शारीरिक एवं भावनात्मक मजबूती प्रदान करता है। योग एवं स्वस्थवृत्त विभाग की विभागाध्यक्ष प्रोफेसर दुर्गावती ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में संस्थान द्वारा विभिन्न जन जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जयपुर के जंतर-मंतर में मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

108 दिवसीय राजस्थान योगा फेस्टिवल आज से



निसं

जयपुर (नवयत्न)। योग, अध्यात्म और भारतीय संस्कृति के व्यापक प्रसार के उद्देश्य से 18 जून से 4 अक्टूबर 2026 तक 108 दिवसीय राजस्थान योगा फेस्टिवल 2026 का आयोजन किया जाएगा। महाभारत की कर्मभूमि एवं श्रीमद्भगवद्गीता के दिव्य संदेश की पावन भूमि कुरुक्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संत एवं गीता मनोषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज ने फेस्टिवल के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने घर-घर गीता, घर-घर योग, घर-घर ध्यान तथा शहर दिन गीताएं हर दिन योग, हर दिन ध्यान का संदेश देते हुए अभियान के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया। गीता प्रचारक एवं योगाचार्य मनीष सूर्यवंशी ने बताया कि श्वसुधैव कुटुम्बकमृदयोग मानवता के लिए, वैश्विक सद्भाव के लिए थोम पर आधारित यह आयोजन जनआंदोलन के रूप में संचालित

होगा। अभियान का उद्देश्य योग, प्राणायाम, ध्यान, गीता, संस्कार, सेवा, भारतीय संस्कृति और मानवीय मूल्यों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना है। फेस्टिवल के मुख्य समन्वयक योगाचार्य प्रियाकांत गौतम ने बताया कि अभियान का शुभारंभ 18 जून को प्रातः 5 बजे जयपुर की गलता घाटी स्थित प्राचीन सूर्य मंदिर में सामूहिक सूर्य नमस्कार कार्यक्रम से होगा। कार्यक्रम में मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित संतोष कुमार शर्मा का सांनिध्य रहेगा तथा युवा योग प्रशिक्षकों के निर्देशन में सामूहिक योगाभ्यास कराया जाएगा। फेस्टिवल के दौरान योग, प्राणायाम, ध्यान, गीता अध्ययन, युवा नेतृत्व, परिवार प्रबंधन, संस्कार शिक्षा, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, महिला सर्वाधिकार एवं सामाजिक समरता से जुड़े वैश्विक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान का मूल संदेश योग से स्वास्थ्य,

संस्कार से समाज, सेवा से राष्ट्र और अध्यात्म से विश्व शांति रहेगा। इस जनअभियान में पंतजलि योगपीठ, क्रीड़ा भारती, भारतीय शिक्षा बोर्ड, ब्रह्माकुमारीज, गायत्री परिवार, आर्ट ऑफ लिविंग, इंडियन योगा एसोसिएशन, सूर्यवंशम योगा एंड वेलेनेस सेंटर, समर्पण संस्थान, योगा पीस संस्थान, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन, स्वामीनारायण मंदिर, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, एलेन इंस्टीट्यूट, सेंट सोल्जर स्कूल, कमलाबाई चैरिटेबल ट्रस्ट, साईनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट और यूनिराज एलुमनाई सहित अनेक संस्थाओं ने सहभागिता की सहमति दी है। ब्रह्माकुमारी जयपुर सबजोन इंचार्ज बीके सुषमा, योगाचार्य ढाकाराम, मेघ सिंह चौहान, महेंद्र यादव, योगाचार्य कुलभूषण बैराठी, राजू मंगोड़ी वाला, जसवीर सिंह, डॉ. गरिश्मा पंवार एवं डॉ. अनिल शर्मा सहित विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भी अभियान से जुड़ने की घोषणा की।

प्राचीन शिव मंदिर जीर्णोद्धार एवं लक्ष्मी नारायण मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव सम्पन्न

हरीश देवदा

नीमकाथाना (नवयत्न)। कस्बे में तालाब रोड स्थित श्याम मंदिर के समीप प्राचीन श्री शिव मंदिर के जीर्णोद्धार एवं नवनिर्मित भगवान श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में मूर्ति प्राण-प्रतिष्ठा एवं लोकार्पण महोत्सव बुधवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। महोत्सव के उपलक्ष्य में आयोजित विशाल महाप्रसाद कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर प्रसादी ग्रहण की तथा धर्म लाभ प्राप्त किया। वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक विधि-विधानों के बीच सम्पन्न हुए इस आयोजन में राजस्थान सरकार के यूडीएच मंत्री झावर सिंह हरा, पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, भाजपा नेता विष्णु चेतानी सहित अनेक जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, उद्योगपति एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों ने मंदिर परिसर में दर्शन कर आयोजन समिति

को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। यह भव्य धार्मिक आयोजन उद्योगपति दीलतराम गोयल एवं उनके परिवार द्वारा कराया गया। गोयल परिवार ने अपने पूज्य दिवंगत नेतराम गोयल एवं पुण्यावती देवी गोयल की पुण्य स्मृति में प्राचीन श्री शिव मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया तथा नवनिर्मित भगवान श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर में मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा करवाई। श्रद्धालुओं ने इसे समाज में धार्मिक एवं

सांस्कृतिक चेतना को सुदृढ़ करने वाला प्रेरणादायी कार्य बताया। महोत्सव के दौरान मंदिर परिसर को आकर्षक सजावट एवं रोशनी से सजाया गया। कई दिनों से चल रहे धार्मिक अनुष्ठानों, पूजन, शोभायात्रा एवं सत्संग कार्यक्रमों का समापन बुधवार को महाप्रसाद के साथ हुआ। आयोजन में नगर एवं आसपास के



ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। श्रद्धालुओं एवं अतिथियों ने गोयल परिवार द्वारा किए गए इस धार्मिक एवं जनकल्याणकारी कार्य की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

भाजपा नेता का धरना रहा दूसरे दिन भी जारी



निसं

सुजानगढ़ (नवयत्न)। भोजलाई बास स्थित चैम्बर चौक में डीपी नहीं लगाने की मांग को लेकर भाजपा मंडल उपाध्यक्ष सुमन सामरिया का धरना लगातार जारी रहा। चैम्बर चौक के गार्डन में लगे धरने पर लोगों ने भारतीय जनता पार्टी जिन्दाबाद के नारे लगाए और कहा कि विद्युत ट्रांसफार्मर लगाने का स्थान जल्द से जल्द बदला जावे। सुमन सामरिया ने बताया कि इसको लेकर विधानसभा प्रत्याशी रही संतोष मेघवाल के आवास पर आयोजित वार्ता भी विफल रही है और एक पक्ष की हठधर्मिता के कारण कोई आम सहमति तैयार नहीं हो सकी है। धरने पर बसंत शर्मा, चैनरूप सामरिया, दीपक प्रजापत, प्रदीप सेन, राजेश जांगिड़, रवि पारीक, भगवती प्रसाद सामरिया, बबोता सामरिया, सुशीला, मोहिनी देवी, पार्वती देवी, मनोज कुमार जांगिड़, सागर जांगिड़, भींवाराम नाथ, राजकमल राकड़ सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

जयगढ़ दुर्ग में सजेगी विरासत की महफिल

18 से 20 दिसंबर तक होगा हेरिटेज फेस्टिवल

जयपुर (नवयत्न)। गुलाबी नगरी जयपुर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक गौरव को वैश्विक मंच पर नई उड़ान देने के उद्देश्य से जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल का तीसरा संस्करण आगामी 18 से 20 दिसंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इस तीन दिवसीय इस भव्य महोत्सव का आयोजन ऐतिहासिक जयगढ़ दुर्ग में किया जाएगा। यह आयोजन सवाई पद्मनाभ सिंह की पहलएटीमवर्क आर्ट्स के सहयोग और वेदांता के प्रस्तुतीकरण में होगा। वहीं विशेष बात यह है कि यह महोत्सव वर्ष 2027 में जयपुर शहर के 300 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले त्रिशताब्दी समारोहों का औपचारिक आगाज भी करेगा। आयोजन के माध्यम से जयपुर की समृद्ध विरासत, संस्कृति और ऐतिहासिक यात्रा को नई पीढ़ी तथा देश-दुनिया के पर्यटकों के सामने प्रस्तुत किया जाएगा। आमेर किले और माओडा झील के मनोरम दृश्य वाले चोल का टीला स्थित जयगढ़ दुर्ग में आयोजित होने वाले इस उत्सव में संगीत, हस्तशिल्प, पारंपरिक बाजार, लोक कलाएं, वैचारिक संवाद, किस्सागोई और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का अनुत्त संगम देखने को मिलेगा। राजस्थान सहित दक्षिण एशिया की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रूप में प्रस्तुत करने के लिए देश-विदेश के कलाकार, शिल्पकार और विशेषज्ञ इसमें भाग लेंगे। सवाई पद्मनाभ सिंह ने बताया कि जयगढ़ हेरिटेज फेस्टिवल उन परंपराओं, कहानियों और कलात्मक विरासतों का उत्सव है, जिन्होंने सदियों से जयपुर को आकार दिया है। उन्होंने कहा कि जयपुर के 300 वर्ष पूर्ण होने की तैयारी के बीच यह आयोजन अतीत की विरासत और आधुनिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के बीच एक सार्थक सेतु का कार्य करेगा। वहीं, टीमवर्क आर्ट्स के प्रबंध निदेशक संजॉय के रथ ने बताया कि विरासत केवल इतिहास को संरक्षित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि उस आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवंत और प्रासंगिक बनाए रखना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। यह महोत्सव संस्कृति को उस शक्ति को सामने लाता है, जो लोगों को जोड़ने का कार्य करती है। इस महोत्सव के विस्तृत कार्यक्रम, कलाकारों की सूची, विशेष हेरिटेज अनुभवों और सांस्कृतिक प्रदर्शनों की घोषणा आगामी महीनों में की जाएगी। आयोजन से जुड़ी जानकारी आधिकारिक वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर साझा की जाएगी।

कार्यालय ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा पंचायत समिति पाटन

क्रमांक : 69

दिनांक: 17.6.26

ई-निविदा/खुली बोली सूचना 02/2026-27

Bid for rate contract of material procurement in varies con-struction works under MGNAREGA and other scheme for gy 2026-27 are invited from interested bidders till date 22-06-2026, 06:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (<http://sppp.raj.nic.in> & <http://eproc.raj.nic.in>) of the state. The approximate value of the procurement is rs: 3000000/- UBN No.- PKP2627GLRC00053

प्रशासक

ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा पंचायत समिति पाटन

ग्राम विकास अधिकारी

ग्राम पंचायत स्यालोदड़ा पंचायत समिति पाटन

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT GHIRNIYA BARA P.S. NECHHWA (SIKAR)

No.: Proc./2026-27/165

Date: 11/06/2026

E- Tender Notice No. 02/2026-27

Bid for open tender of Procurment of Rate contract for Construction and building material, equipment supply in GP GHIRNIYA BARA and villages Panchayat Samiti Nechhwa are invited from firms Registered civil work department, upto 6:00 PM of 22.06.2026 Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal <http://sppp.raj.nic.in> & <http://eproc.rajasthan.gov.in> of state and at Gram panchayat KACHHWA Office in all working days.

NIB No: PNS2627A0044

UBN No.:- PNS2627SLRC00043

E-PROC-2026_PRD_566898_1

PARSHASAK

GRAM PANHAYAT GHIRNIYA BARA

PANCHAYAT SAMITI NECHHWA

VDO

GRAM PANCHAYA GHIRNIYA BARA

PANCHAYAT SAMITI NECHHWA

सांसद के समक्ष हुई वार्ता का अब तक नहीं निकला कोई परिणाम

सुजानगढ़ (नवयत्न)। नगरपरिषद के बाहर कांग्रेस नेता अजय ढैनवाल के नेतृत्व में चल रहा धरना लगातार 46 वें दिन भी जारी रहा। धरनाशी अजय ढैनवाल ने बताया कि 8 जून को चूरू जिला सांसद राहुल कस्वा का दौरा सुजानगढ़ में था। उस दिन आयुक्त वार्ता के लिए पधारे और सांसद के समक्ष आश्वासन दिया था कि हम लोग पार्क को चौबीस घंटे खोल देंगे और पार्क पर नगरपरिषद का बोर्ड लगा देंगे और मूर्तियों की स्वीकृति के लिए आगे प्रस्ताव भिजवा देंगे। ढैनवाल ने कहा कि आज दिन तक न तो पार्क को चौबीस घंटे खोलने के लिए न तो पार्क को नगरपरिषद पता नहीं कौनसे दबाव में हैं, जो सांसद के समक्ष कही गई बात पर भी खरा नहीं उतर रही है।



बोर्ड लगाया गया है। ऐसे में अधिकारियों पर जनता कैसे भरोसा करेगी ? जब सांसद के समक्ष की हुई वार्ता को भी अधिकारी गंभीरता से नहीं लेते, तो जनता के पास क्या बचा है, धरने देने के अलावा। निवर्तमान पार्षद इकबाल खान कायमखानी ने बताया कि नगरपरिषद पता नहीं कौनसे दबाव में हैं, जो सांसद के समक्ष कही गई बात पर भी खरा नहीं उतर रही है।

इकबाल खान ने जल्द से जल्द सभी मांगों को पूरा करने की मांग प्रशासन से की है। वहीं धरने पर सोहिल गोपालपुरिया, तरुण सियोता, राजेश रैगर, अंकित सियोता, विजयपाल श्योराण, आशीष गोयल, आरिफ खां, राजा खान, नूर मोहम्मद खान पहाड़ियान, रमेश बारवासा, गोपाल तेजी सहित अनेक लोगों ने शिरकत की।

